मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | भोपाल, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-324, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

ज्ञानेश कुमार के सपोर्ट में 42 पूर्व जजों का लेटर:SIR को सही बताया लिखा- बिना सबूत वोट चोरी के आरोप लोगों का भरोसा घटा सकते हैं

नई दिल्ली। चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच 42 पूर्व जजों ने CEC ज्ञानेश कुमार का समर्थन किया है। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं पर बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील की। पूर्व जजों ने एक लेटर पर साइन किए हैं। इसमें कहा गया है कि शिकायतें लोकतांत्रिक और कानूनी तरीकों से उठाई जानी चाहिए। उन्होंने रक्षकप्रक्रिया को भी सही बताया है। लेटर में चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों पर जजों ने कहा कि इनके समर्थन में सबूत नहीं दिए गए हैं। बिना सबूत संवैधानिक संस्थाओं पर हमले चुनावी प्रक्रिया में लोगों का भरोसा कमजोर कर सकते हैं।



इस ओपन लेटर में पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस पंकज मित्तल के भी साइन हैं। लेटर में लिखा है- वोट चोरी के आरोप अदालतों में नहीं, बल्कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए जाते हैं। जब आयोग शपथ पत्र मांगता है, तो कोई दाखिल नहीं किया जाता। EVM को हार के बाद ही दोषी ठहराया जाता है। उन्हीं मशीनों से मिली जीत पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। एक पार्टी जिसने पांच दशकों से अधिक समय तक इस देश पर शासन किया, अब दावा कर रही है कि जो व्यवस्था उसे सत्ता में लायी, वही धांधली वाली है।

लेटर में पूर्व जजों के 3 दावे

- चुनावों को अवैध ठहराने के प्रयास अशांति को बढ़ावा दे सकते हैं और अराजक तत्वों को प्रोत्साहित कर सकते हैं।
- चुनाव कराने वाले अधिकारियों को अपशब्द कहे जा रहे हैं, अधिकारियों को सत्ता बदलने के बाद बदला लेने की चेतावनी दी जा रही है।
- एक्टिविस्ट संगठन आरोपों को कानूनी रूप देने की कोशिश करते हैं। वे एक के बाद एक याचिकाएं लगाते हैं, लेकिन शायद ही कभी सबूत पेश करते हैं।

निवेश-अनुकूल नीतियों से उद्योगों के लिए फेवरेट डेस्टिनेशन बना मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश में 90 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश को नई गति देने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार मुंबई में देश के प्रमुख उद्योग समूहों के शीर्ष नेतत्व के साथ वन-टू-वन बैठकें की। फार्मा, टेक्सटाइल, सेमीकंडक्टर, औद्योगिक गैस, ट्रांसमिशन, टायर, आईटी और अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर हुई इन बैठकों में उद्योग समूहों ने मध्यप्रदेश में नई इकाईयाँ स्थापित करने और मौजूदा निवेश के विस्तार में रूचि दिखाई।

कार्यक्रम में विभिन्न औद्योगिक समूहों द्वारा नवकरणीय ऊर्जा, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, सूचना प्रौद्योगिकी, ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट, केमिकल तथा अन्य क्षेत्रों में लगभग 90 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तावों से प्रदेश में 14,375 रोजगार सृजित होने की संभावना है। निवेश प्रस्तावों में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में 71 हजार 289 करोड़, टेक्सटाइल्स में 5 हजार करोड़, फार्मास्यूटिकल्स में 2 हजार 280 करोड़, रियल एस्टेट एक हजार करोड़, सूचना प्रौद्योगिकी में 200 करोड़, केमिकल उद्योग के क्षेत्र में 400 करोड़ का निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की केंद्रीय भौगोलिक स्थिति, औद्योगिक भूमि की उपलब्धता, विकसित हो रही अधोसंरचना और कुशल कार्यबल उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। सरकार का प्रयास है कि निवेशकों को भूमि, बिजली, पानी, सड़क, ऊर्जा और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुगमता से उपलब्ध हों। निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारकर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने उद्योग जगत को मध्यप्रदेश में नए निवेश और विस्तार के लिए आमंत्रित करते हुए आश्वस्त किया कि उन्हें इकाइयाँ लगाने में पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुंबई में आयोजित मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर संवाद कार्यक्रम अंतर्गत आरपीजी, वेलस्पन, आईनॉक्स, भिलोसा, इप्का और सन फार्मा के प्रमुखों से वन-टू-वन चर्चा की। बैठकों में विभिन्न क्षेत्रों की निवेश योजनाओं, संभावित स्थलों, परियोजनाओं के क्रियान्वयन, औद्योगिक सुविधाओं और आवश्यक प्रोत्साहनों पर विचार-विमर्श हुआ।



आरपीजी समूह ने ट्रांसमिशन, टायर और आईटी क्षेत्र में दर्शाई रुचि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से आरपीजी समूह के अध्यक्ष श्री हर्ष गोयनका की मुलाकात में विद्युत पारेषण, टायर निर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। श्री गोयनका ने जबलपुर में विद्युत पारेषण क्षेत्र में निवेश करने की इच्छा व्यक्त की। प्रदेश की औद्योगिक अवसंरचना, भौगोलिक स्थिति और निवेश-अनुकूल नीतियों के आधार पर नई इकाइयों की स्थापना की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। टायर निर्माण इकाई के लिए रतलाम, सागर और जबलपुर संभावित स्थलों के रूप में चर्चा में आए। समूह ने इन स्थानों पर उपलब्ध औद्योगिक सुविधाओं और आवश्यकताओं का आंकलन करने में रुचि दिखाई। उज्जैन के आईटी बिल्ट-अप पार्क की प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं के उपयोग तथा संभावित निवेश स्थलों का दौरा कर व्यावसायिक संभावनाओं का आंकलन करने पर भी संवाद हुआ। समूह की प्रमुख कंपनियों में केईसी इंटरनेशनल, सिएट और जेनसार टेक्नोलॉजीज शामिल हैं। आरपीजी समूह का मध्यप्रदेश से पुराना जुड़ाव है और केईसी इंटरनेशनल ने प्रदेश की विद्युत पारेषण अधोसंरचना के विकास में योगदान दिया है।

वेलस्पन समूह टेक्निकल टेक्सटाइल पार्क में निवेश की संभावनाएं तलाशेगा

वेलस्पन एंटरप्राइजेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री संदीप गर्ग से चर्चा में पाइप निर्माण, टेक्निकल टेक्सटाइल और अधोसंरचनात्मक क्षेत्र की निवेश योजनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। समूह ने मिल की भूमि पर टेक्निकल टेक्सटाइल पार्क विकसित करने में निवेश तथा प्रस्तावित पार्क में एंकर यूनिट स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की। स्थल का निरीक्षण करने के लिए समूह अपनी टीम भेजेगा। बैठक में वेलस्पन कॉर्प के एमएस लाइन पाइप क्षेत्र में 150 करोड़ रुपए के निवेश और सिंटेक्स के 700 करोड़ रुपए के प्रगतिरत निवेश पर भी चर्चा हुई। समूह की रायसेन और देवास में उपस्थिति तथा पाइप निर्माण एवं टेक्सटाइल गतिविधियों पर संवाद हुआ। वेलस्पन समूह प्रदेश में सड़क एवं राजमार्ग निर्माण सहित अन्य अधोसंरचना परियोजनाओं से भी जुड़ेगा। जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन परियोजनाओं में समूह की सहभागिता की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

अति उच्च शुद्धता वाला सेमीकंडक्टर - ग्रेड सिलेन गैस संयंत्र करेगा स्थापित

आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री सिद्धार्थ जैन से औद्योगिक गैस एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश पर चर्चा हुई। कंपनी के प्रस्ताव के अनुसार मध्यप्रदेश में 1,260 करोड़ रुपए के निवेश से देश का पहला अति-उच्च शुद्धता वाला सेमीकंडक्टर-ग्रेड सिलेन गैस संयंत्र स्थापित करने की योजना है। अप्रैल 2029 से उत्पादन प्रारंभ करना प्रस्तावित है। परियोजना से लगभग 350 करोड़ रुपए के आयात प्रतिस्थापन और 320 से अधिक स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। संवाद में नवीनतम तकनीक से सेमीकंडक्टर उद्योग में उपयोग होने वाली विशेष गैसों के उत्पादन के लिए लगभग 1,200 करोड़ रुपए के संभावित निवेश पर भी चर्चा हुई।

एमडीआर लागू करने की तारीख बढ़ा सकती है केंद्र सरकार



एजेन्सी, नई दिल्ली

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई से जुड़े लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने की तारीख आगे बढ़ सकती है। मौजूदा समय में इसके 15 अक्तूबर से लागू होने की बात है, लेकिन अब सरकार इसे आगे बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है।

पीटीआई के मुताबिक, एमडीआर लागू करने की समयसीमा को 15 अक्तूबर से बढ़ाकर 1 जनवरी करने का प्रस्ताव सामने आया है। इस पर अगले कुछ दिनों में फैसला होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक तारीख बढ़ाने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर वह शुल्क है, जो डिजिटल भुगतान स्वीकार करने वाले कारोबारियों से लेनदेन की प्रक्रिया के लिए लिया जाता है। यूपीआई से जुड़े एमडीआर में बदलाव का असर भुगतान कंपनियों और डिजिटल पेमेंट से जुड़े कारोबार पर पड़ सकता है।

यूपीआई एमडीआर पर जीएसटी घटने की तैयारी ?

इसके अलावा, जीएसटी परिषद ने यूपीआई मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) पर जीएसटी को मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया। ज्यादातर राज्यों ने यूपीआई एमडीआर पर 18 प्रतिशत जीएसटी को लेकर चिंता जताई। नए यूपीआई एमडीआर फ्रेमवर्क के तहत ज्यादा वैल्यू वाले मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर चार्ज लगाने की योजना है।

उम्र 6 साल, तजुर्बा 80 साल के डाक्टर का

नाड़ी देख दिल और किडनी का हाल बता देती है बच्ची

एक सत बुलेटिन, मुरैना

छह साल की बच्ची और तजुर्बा 80 साल के डाक्टर। रोग बताने में बिलकुल परफेक्ट। यह बच्ची नाड़ी देखकर ही हृदय, फेफड़े और किडनी के बारे में बता देती है। खुद डाक्टर भी इसकी पुष्टि कर देते हैं। जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के मुरैना की केशव कॉलोनी निवासी करीब छह वर्षीय कृतिका उपाध्याय के नाड़ी देखकर हृदय, फेफड़े और किडनी की स्थिति बताने के दावे ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। कृतिका के परिजनों के अनुसार वह बिना औपचारिक चिकित्सा प्रशिक्षण के नाड़ी देखकर मरीज की स्थिति के बारे में बताती है। हाल ही में रोटरी क्लब द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कृतिका ने एक मरीज की नाड़ी देखकर उसकी हृदय गति और कार्यक्षमता के संबंध में जानकारी दी।



परिजनों के अनुसार शिविर में मौजूद दिल्ली के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. युसुफ जमाल के सामने मरीज का ईसीजी कराया गया, जिसमें कृतिका की बताई बात सही पाई गई। इंदौर के अरविंदो मेडिकल कॉलेज के चेयरमैन डॉ. विनोद भंडारी के बारे में भी परिजनों ने बताया कि उन्होंने कृतिका के ज्ञान को एमबीबीएस स्तर का बताया है। कृतिका के पिता बंटी उपाध्याय के अनुसार करीब तीन वर्ष की उम्र में ही कृतिका ने संजीवनी विद्या से संबंधित बातें बताकर उन्हें आश्चर्यचकित किया था। परिजनों के अनुसार कृतिका संस्कृत के श्लोक, वेद-पुराण और मृत संजीवनी विद्या से संबंधित बातें बताती है तथा एलोपैथी दवाओं के नाम सुनकर उनके साल्ट और रासायनिक सूत्र भी बताने का दावा किया जाता है। करह आश्रम के महामंडलेश्वर राघवाचार्य महाराज ने भी उसके ज्ञान को ईश्वरीय कृपा बताया है। कृतिका मरीजों को देखने के बदले कोई शुल्क नहीं लेती और लोगों से मंदिर में सेवा करने का संकल्प करवाती है। उसका सपना भविष्य में कार्डियोलॉजिस्ट बनने का है। हालांकि, नाड़ी देखकर किसी बीमारी का चिकित्सकीय निदान करने के इन दावों की स्वतंत्र चिकित्सा पुष्टि उपलब्ध नहीं है। किसी भी बीमारी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या में प्रमाणित चिकित्सक की सलाह और आवश्यक जांच को ही आधार बनाया जाना चाहिए।

4 दिन पहले कहा था- नहीं जानता, कल रहूं या नहीं

नाना पाटेकर का निधन



एजेन्सी, पुणे

नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उन्हें करीब 45 मिनट तक सीपीआर दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका।

नाना का पार्थिव शरीर पुणे के डोंजे गांव स्थित उनके घर ले जाया जा रहा है, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे।

नाना पाटेकर का 4 दिन पुराना आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें नाना पाटेकर ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था, हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।

परिंदा में विलेन बने, तील नेशनल अवॉर्ड

नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्में कीं। 1989 की फिल्म परिंदा में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 1994 की क्रांतिवीर के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। 1996 की अग्निसाक्षी के लिए भी उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। इस तरह उन्हें करियर में 3 नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिले। भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए नाना पाटेकर को 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। अपने लंबे फिल्मी करियर में उन्होंने हिंदी के साथ मराठी फिल्मों में भी काम किया।

वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में शिंजो आबे के नाम पर बने आबे मेमोरियल कॉरिडोर का उद्घाटन किया

शिंजो आबे की पत्नी से प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात

एजेन्सी, नई दिल्ली

भारत और जापान के रिश्तों को मजबूत करने में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की भूमिका को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर याद किया है। पीएम मोदी ने शिंजो आबे की पत्नी अकी आबे से मुलाकात की और उनके साथ अपने संबंधों को लेकर बात कही। उन्होंने कहा कि अकी आबे का भारत के साथ जुड़ाव लगातार बना हुआ है। पीएम मोदी ने शिंजो आबे को अपना प्रिय मित्र और दूरदर्शी नेता बताया।

पीएम मोदी ने अकी आबे से मुलाकात के बाद क्या कहा ?

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें अकी आबे से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने अकी आबे के भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव को महत्वपूर्ण बताया। पीएम मोदी ने कहा कि वह इस संबंध को बहुत महत्व देते हैं। उन्होंने शिंजो आबे को याद करते हुए कहा कि वह भारत के प्रिय मित्र थे और उन्होंने भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पीएम मोदी ने शिंजो आबे को एक दूरदर्शी नेता बताया। उन्होंने कहा कि भारत और जापान के संबंधों को मजबूत करने में आबे की भूमिका निर्णायक रही। उनके अनुसार, आबे ने दोनों देशों के बीच रिश्तों को एक नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पीएम मोदी ने अपने संदेश में शिंजो आबे के साथ अपनी मित्रता को भी याद किया और उनके योगदान को भारत-जापान दोस्ती से जोड़कर देखा।



प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में शिंजो आबे के नाम पर बने ह्यआबे मेमोरियल कॉरिडोरह्ल का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने इसे भारत-जापान दोस्ती के लिए शिंजो आबे के स्थायी योगदान को सम्मान देने वाला कदम बताया। पीएम मोदी के मुताबिक, यह स्मृति कॉरिडोर आबे के योगदान को याद करने और दोनों देशों के बीच उनके बनाए मजबूत संबंधों को सम्मान देने का माध्यम है।

आबे मेमोरियल कॉरिडोर को क्यों बताया गया खास ?

पीएम मोदी ने कहा कि वाराणसी में बने इस कॉरिडोर का उद्घाटन शिंजो आबे के भारत के साथ रिश्तों और उनके योगदान को उचित श्रद्धांजलि है। उन्होंने इसे भारत-जापान मित्रता में आबे की स्थायी भूमिका से जोड़कर देखा। पीएम मोदी के संदेश में भारत और जापान के बीच रिश्तों को मजबूत करने में शिंजो आबे की विरासत और उनकी मित्रता को प्रमुखता दी गई। अकी आबे के साथ मुलाकात के दौरान भी इसी संबंध को याद किया गया।

कैसे हुई थी शिंजो आबे की हत्या ?

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या 8 जुलाई 2022 को नारा शहर में एक चुनावी सभा के दौरान हुई थी। वह एक रेलवे स्टेशन के बाहर भाषण दे रहे थे, तभी हमलावर तेत्सुया यामागामी ने पीछे से आकर उन पर घर में बनी देसी बंदूक से दो गोलियां चलाईं। दूसरी गोली आबे के गले और दिल के करीब लगी, जिससे वे मौके पर ही गिर पड़े। उन्हें तुरंत हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अत्यधिक खून बहने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था।

पुणे से 2 आरोपी गिरफ्तार, मामले में अब तक 13 आरोपी पकड़े गए

शेयर बाजार में 5 से 500 प्रतिशत रिटर्न का झांसा देकर 2.27 करोड़ की ठगी

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



शेयर बाजार में निवेश करने पर प्रतिदिन 5 प्रतिशत रिटर्न और लंबी अवधि के निवेश पर 500 प्रतिशत तक मुनाफे का झांसा देकर महिला से 2 करोड़ 27 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के दो आरोपियों को साइबर पुलिस ने महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक 13 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस के अनुसार जबलपुर निवासी महिला को शेयर बाजार में निवेश के नाम पर आरोपियों ने अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजी लाभ का लालच दिया। सस्ते दर पर शेयरों की बड़ी मात्रा में खरीद-फरोख्त कर अधिक मुनाफा दिलाने का भरोसा भी दिया गया। झांसे में लेकर महिला से 2 करोड़ 27 लाख रुपये की राशि ठग ली गई। महिला की शिकायत पर थाना साइबर अपराध में अपराध क्रमांक 5/25 दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम को आरोपियों के महाराष्ट्र के पुणे में होने की सूचना मिली। टीम ने पुणे पहुंचकर केतन भोवोले (31), निवासी अकोला, वर्तमान निवासी अष्ट विनायक नगर, खराड़ी, पुणे तथा यश देसाई (29), निवासी नासिक, वर्तमान निवासी फ्रेंड्स इन्क्लेव, मुंढवा, पुणे को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने ठगी की रकम के हेरफेर में शामिल होना स्वीकार किया। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस उनसे ठगी की रकम और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है। कार्रवाई में उप निरीक्षक अभिषेक कैथवास, उप निरीक्षक आशुतोष मिश्रा, प्रधान आरक्षक हरीश डेहरिया तथा आरक्षक संतोष जाट, संजय मरावी, पवन डेहरिया और मनोज चौधरी की भूमिका रही। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अत्यधिक या गारंटीड रिटर्न का लालच देने वाले संदेशों और ऐप से सावधान रहें। टेलीग्राम और वाट्सऐप के अनजान समूहों से मिलने वाली निवेश सलाह पर भरोसा न करें। केवल सेबी पंजीकृत ब्रोकर या प्लेटफॉर्म के माध्यम से ही निवेश करें और अनजान एपीके फाइल डाउनलोड न करें। साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 पर सूचना दें या साइबर सेल जबलपुर के हेल्पलाइन नंबर 7701050010 पर संपर्क करें।

यातायात पुलिस का जन-जागरूकता अभियान : बिना हेलमेट व सीट बेल्ट चालकों पर कार्रवाई

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा 28 सितंबर से 08 अक्टूबर तक चलाए जा रहे विशेष जन-जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान के तहत जबलपुर यातायात पुलिस ने सख्त कार्रवाई और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और वाहन चालकों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग के प्रति सजग करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) अखिलेश तिवारी के निर्देशन में 7 अक्टूबर को यातायात के तीनों थानों द्वारा विशेष टीमों का गठन किया गया। टीम ने शहर के प्रमुख चौराहों पर चेकिंग अभियान चलाकर बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट के वाहन चला रहे 34 चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की, जिससे कुल 12,400 रुपये का समन शुल्क वसूल किया गया। कार्रवाई के साथ ही शासकीय कला निकेतन पॉलीटेक्निक कॉलेज में सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अखिलेश तिवारी एवं यातायात निरीक्षक रोहित तिवारी ने छात्र-छात्राओं को हेलमेट व सीट बेल्ट की महत्ता के बारे में विस्तार से बताया। अधिकारियों ने युवाओं को तेज रफ्तार, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के इस्तेमाल और लापरवाही से होने वाले हादसों के प्रति जागरूक किया। शिविर के दौरान छात्र-छात्राओं को यातायात संकेतों की जानकारी दी गई और नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट और का अनिवार्य रूप से उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन कर जिम्मेदार नागरिक बनें। यातायात नियमों के पालन के लिए विशेष अभियानसड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए और हादसों में होने वाली जनहानि को रोकने के लिए यातायात पुलिस द्वारा लगातार विशेष चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। इस विशेष अभियान के तहत दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट और चार पहिया वाहन चालकों के लिए सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य किया गया है। नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस पूरी तरह से सख्त नजर आ रही है और जगह-जगह सघन चेकिंग प्वाइंट लगाकर कार्रवाई की जा रही है। बिना हेलमेट और सीट बेल्ट चालकों पर सख्त कार्रवाई अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि बाइक चालकों के साथ-साथ पीछे बैठने वाले राइडर के लिए भी हेलमेट पहनना बेहद जरूरी है। इसी तरह कार चलाते समय या यात्रा करते वक्त ड्राइवर के साथ आगे-पीछे बैठे अन्य यात्रियों द्वारा सीट बेल्ट न लगाने पर भी चालानी कार्रवाई की जा रही है।

साईकिल स्टैण्ड की अवैध वसूली रोकने अधिवक्ताओ ने दिया ज्ञापन



■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

रेलवे के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 के बाहर स्थित डाकघर में प्रतिदिन अनेक नागरिक आवश्यक डाक व पार्सल बुक कराने आते है । डाक घर के सामने स्टेण्ड न होते हुये भी वहां साईकिल स्कूटर स्टेण्ड ठेकेदार द्वारा अवैध रूप से संचालित किया जा रहा और डाक बुक कराने आने वालो से अवैध वसूली की जा रही है, पैसा नही देने पर मारपीट की जाती है। जिसे रोकने तथा रेल्वे के पोस्ट ऑफिस में डाक बुक करने ऑन लाईन सुविधा समाप्त करने को लेकर रादुविवि छात्र परिषद के संयोजक अधिवक्ता धीरज सिंह ठाकुर के नेतृत्व में रेल मंत्री के नाम रेलवे पुलिस के आईजी को 2 सूत्रीय मांगो का ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन में कहा गया कि जो नागरिक केवल डाक, पत्र अथवा पार्सल जमा कटने के लिए कुछ समय हेतु रेल्वे के पोस्ट ऑफिस आते हैं, उनसे वाहन स्टैंड का शुल्क लिया जा रहा है। साथ ही आर.एम.एस. में डाक भेजने का शुक्ल नगद न लेकर अब केवल ऑनलाईन भुगतान लिया जा रहा है।

पसंद की महिला को दूसरे से बात करते देखा तो भड़का युवक, मारपीट के बाद गला दबाकर हत्या

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



गोराबाजार थाना क्षेत्र में एक युवक ने पसंद करने वाली महिला के किसी अन्य व्यक्ति से बातचीत करने को लेकर उसके साथ मारपीट कर दी। आरोपी ने महिला का सिर जमीन पर पटकने के बाद गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 4 अक्टूबर को विक्टोरिया अस्पताल से एक महिला की मृत्यु की सूचना मिली थी। ग्राम घुघरी, थाना बीजाडांडी, मंडला निवासी सूबे सिंह आर्मो ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी 19 वर्षीय नंदनी आर्मो का विवाह ग्राम समनापुर निवासी राजू मरावी से हुआ था। नंदनी पिछले करीब तीन माह से बिलहरी में अपनी छोटी बहन देववती और गांव की सीमा बाई गौड़ के साथ मजदूरी कर रही थी। 4 अक्टूबर की शाम देववती ने फोन कर बताया कि नंदनी कमरे में बेहोश पड़ी है। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से विक्टोरिया अस्पताल रेफर किया गया। चिकित्सकों ने रात करीब 10:55 बजे नंदनी को मृत घोषित कर दिया। मर्ग जांच के दौरान मृतका के पिता, बहन और अन्य गवाहों के बयान लिए गए। बयानों में प्रमोद महोबिया द्वारा नंदनी के साथ मारपीट करने, उसका गला दबाने और सिर जमीन पर पटकने की बात सामने आई। पुलिस के अनुसार सिर में गंभीर चोट लगने के कारण नंदनी की मौत हुई। जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपी प्रमोद महोबिया (34), निवासी कटियाघाट, बरेला के खिलाफ धारा 103(3) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया। पुलिस टीम ने कटियाघाट में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह गौर-बिलहरी के पास यादव के खेत को सिकमी पर लेकर खेती करता था। इसी दौरान उसकी नंदनी से पहचान हुई और वह उसे पसंद करने लगा था। नंदनी के किसी अन्य व्यक्ति से बातचीत करने की जानकारी मिलने पर दोनों के बीच विवाद हुआ। विवाद के दौरान उसने मारपीट कर नंदनी का सिर जमीन पर पटक दिया और गला दबा दिया।

आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी संजीव त्रिपाठी, उप निरीक्षक भोला प्रसाद मरावी, उप निरीक्षक कपिल शर्मा, प्रधान आरक्षक आशीष डेहरिया तथा आरक्षक मिथुन और संदीप की भूमिका रही।

गुरंदी बाजार में गंदगी का अंबार, सड़क बनी कचरा डंपिंग जोन



■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर के घनी आबादी वाले गुरंदी बाजार क्षेत्र में नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था सवालों के घेरे में है। नव निर्मित मछली मार्केट के बगल की सड़क पर जगह-जगह कचरा जमा होने से पूरा क्षेत्र अघोषित कचरा डंपिंग जोन में तब्दील हो गया है। कचरे के कारण उठने वाली दुर्गंध से आसपास के दुकानदारों और रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार यहां नियमित रूप से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से कचरा उठाया जाता है, लेकिन कचरा उठाने के बाद भी मौके पर गंदगी और कचरा पड़ा रह जाता है। इसके चलते दिनभर बदबू बनी रहती है। दुकानदारों का कहना है कि दुर्गंध के कारण ग्राहकों को भी परेशानी होती है और व्यापार प्रभावित हो रहा है। नगर निगम शहर में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर लगातार अभियान चलाने का दावा करता है, लेकिन गुरंदी बाजार की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जिम्मेदार अधिकारियों की नियमित नजर इस क्षेत्र पर होती तो लंबे समय तक सड़क किनारे इस तरह कचरा जमा नहीं रहता।

10 अक्टूबर को रानीताल खेल परिसर में सजेगी रंगों की छटा, होगा भव्य रंगोली महोत्सव

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



विकसित भारत संकल्प सेवा यात्रा के अंतर्गत 10 अक्टूबर 2026 को रानीताल खेल परिसर में भव्य रंगोली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन की तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त श्री अहिरवार ने आयोजन स्थल की साफ-सफाई, प्रतिभागियों की सुविधा और सुरक्षा से जुड़े सभी जरूरी प्रबंधों की समीक्षा की। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि महोत्सव में आने वाले नागरिकों और प्रतिभागियों के लिए सभी सुविधाएं चाक-चौबंद रखी जाएं, ताकि कार्यक्रम गरिमामय और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान खेल परिसर में निगमायुक्त श्री अहिरवार ने स्वयं आर्चरी और लॉन टेनिस खेलकर खेलों का आनंद लिया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अपर आयुक्त व्ही. एन. बाजपेयी, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, संभागीय अधिकारी अनुपम शुक्ला, कार्यालय अधीक्षक दिलीप दुबे, संभागीय यंत्री संदीप पाण्डेय, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक सौरभ तिवारी सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उद्यान को बचाने की मांग को लेकर उद्यान परिसर में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया

मनमोहन नगर उद्यान बचाने हस्ताक्षर अभियान, बनेगी मानव श्रृंखला

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मनमोहन नगर उद्यान को बचाने की मांग को लेकर गुरुवार 8 अक्टूबर को सुबह 7:30 बजे उद्यान परिसर में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान में मनमोहन नगर सहित भोला नगर, शांति नगर, अनमोल नगर, त्रिमूर्ति नगर, 90 क्वार्टर, संचार नगर, साईं कॉलोनी, कसौधन नगर, शिव नगर और विजयनगर से बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक, युवा, मातृशक्ति, बालक एवं विद्यार्थी शामिल हुए।अभियान में लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए मनमोहन नगर उद्यान को बचाने और उसके संरक्षण की मांग को लेकर हस्ताक्षर किए। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उद्यान क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल है और इसके संरक्षण के लिए लगातार जनभागीदारी के साथ अभियान चलाया जाएगा। अभियान में महेंद्र नाहर, गुलाब चौकसे, सुरेश सोनी, जेपी अग्रवाल, पवन तिवारी, अशोक शर्मा, शैलेंद्र गौतम, नवल गुप्ता, गोपी चौबे, राकेश यादव, चंदूलाल शर्मा, रघुवीर सोनी, सुशील सोनी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और सहयोगी उपस्थित रहे।

अभियान के अगले चरण में 9 अक्टूबर 2026 को सुबह 7:30 बजे मनमोहन नगर मुख्य मार्ग पर मानव श्रृंखला बनाई जाएगी। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी नागरिकों से अभियान में शामिल होकर सहयोग और उपस्थिति दर्ज कराने की अपील की है। नागरिकों ने कहा कि उद्यान के संरक्षण को लेकर उनका अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

6 जिलों में बारिश, अमरकंटक में डेढ़ इंच पानी गिरा

चक्रवात और ट्रफ के सक्रिय होने से बदले हालात, 10 अक्टूबर से साफ होगा मौसम

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में एक्टिव सिस्टम की वजह से 3 दिन से बारिश, आंधी और गरज-चमक का दौर चल रहा है। 24 घंटे के दौरान प्रदेश के 6 जिलों बैतूल, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, कटनी, सीधी और अनूपपुर में बारिश रिकॉर्ड की गई। इनमें अनूपपुर के अमरकंटक में डेढ़ इंच पानी गिर गया। कल भी बारिश होगी, फिर कमजोर होगा सिस्टम मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात (साइक्लोनिक सकुर्लेशन) और ट्रफ के सक्रिय होने से मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में आंधी-बारिश का दौर चल रहा है। 9 अक्टूबर को भी प्रदेश के पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, शहडोल और अनूपपुर जिलों में बारिश होगी। इसके बाद सिस्टम कमजोर होगा। प्रदेश में 10 अक्टूबर के बाद कैसा रहेगा मौसम? मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक ने बताया कि 10 अक्टूबर से पूर्वी मध्य प्रदेश में भी ड्राय श्रेणी शुरू हो जाएगी, यानी 10 से 12 अक्टूबर के दौरान पूर्वी और पश्चिमी दोनों हिस्सों में मौसम साफ रहेगा। बदलते मौसम का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि पर पड़ेगा। पूर्वी हिस्से में 9 अक्टूबर के दौरान होने वाली स्थानीय बारिश मिट्टी की ऊपरी परत में नमी बढ़ा सकती है, लेकिन इसे पूरे प्रदेश में समान रूप से नमी उपलब्ध कराने वाली बारिश नहीं माना जा सकता। विशेष रूप से पश्चिमी हिस्से में लगातार शुष्क मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए रबी की तैयारी करते समय किसानों के लिए स्थानीय मिट्टी की नमी, उपलब्ध सिंचाई, पिछले दिनों हुई वास्तविक बारिश और खेत की स्थिति अधिक महत्वपूर्ण होगी। इसलिए केवल मध्यप्रदेश में बारिश होगी जैसी सामान्य जानकारी के आधार पर बोवनी या सिंचाई का निर्णय लेना उचित नहीं होगा। प्रदेश से लौटा चुका है मानसून प्रदेश से 3 अक्टूबर को ही मानसून लौट चुका है, लेकिन सिस्टम एक्टिव होने से बारिश का दौर फिर से शुरू हुआ। मौसम विशेषज्ञ नायक ने बताया, 10 साल के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो अक्टूबर में बारिश, गर्मी और ठंड का ट्रेंड है। इस बार भी ऐसा ही हो रहा है। अक्टूबर की शुरुआत में ही मौसम साफ हो गया और धूप खिल गई। वहीं रात में ठंडक है। कई जिलों में बारिश भी हो रही है। इस बार प्रदेश में 100 दिन तक दक्षिण-पश्चिम मानसून एक्टिव रहा है। दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून से सितंबर) के दौरान प्रदेश में कुल 908.4 मिमी, यानी 35.8 इंच (95.9 प्रतिशत) बारिश हुई। यह सामान्य बारिश 37.3 इंच (949.5 मिमी) की तुलना में 1.5 इंच कम है। वहीं ओवरऑल 4 प्रतिशत कम पानी गिरा। पूर्वी हिस्से में 4% ज्यादा और पश्चिमी हिस्से में औसत से 12% बारिश कम हुई है।

समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना उनकी नीतियों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा

सेवा के 25 वर्ष: विकसित भारत के संकल्प की अविराम यात्रा : कृष्णा गौर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

भारत के सार्वजनिक जीवन में कुछ यात्राएँ केवल राजनीतिक यात्रा नहीं होतीं, वे राष्ट्र-निर्माण की यात्रा बन जाती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष ऐसी ही एक प्रेरणादायी यात्रा का प्रतीक हैं। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री मोदी जी ने जिस जिम्मेदारी को स्वीकार किया था, वह आज 25 वर्षों की निरंतर जनसेवा, नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण की एक ऐतिहासिक यात्रा बन चुकी है। गुजरात से शुरू हुई यह यात्रा आज भारत को विकसित, आत्मनिर्भर और विश्व में अग्रणी राष्ट्र बनाने के संकल्प तक पहुँच चुकी है। इन 25 वर्षों को केवल सत्ता में निरंतरता के रूप में देखना इस यात्रा को सीमित कर देना होगा। वास्तव में यह नीति से नीयत, नीयत से परिणाम और परिणाम से जनविश्वास तक की यात्रा है। गरीब के सम्मान से राष्ट्र के उत्थान तक प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह रही है कि विकास को उन्होंने केवल बड़े शहरों और बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं रखा। गरीब, किसान, महिला, युवा, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, जनजातीय समाज और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना उनकी नीतियों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। जनधन योजना के माध्यम से वित्तीय समावेशन, उज्ज्वला योजना के माध्यम से महिलाओ के जीवन में सुविधा, स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से स्वच्छता को जन आंदोलन बनाना, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब



परिवारों को पक्का घर, आयुष्मान भारत के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा और पीएम-किसान के माध्यम से किसानों को प्रत्यक्ष सहायता– इन पहलों ने शासन और सामान्य नागरिक के बीच संबंध को नए रूप में स्थापित किया है। यह परिवर्तन केवल योजनाओ की सूची नहीं है। यह उस सोच का परिणाम है जिसमें सरकार का अर्थ केवल प्रशासन नहीं, बल्कि जनजीवन में सकारात्मक परिवर्तन है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने नारी शक्ति को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सक्रिय भागीदार के रूप में देखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ से लेकर महिला स्वयं सहायता समूहों, उज्ज्वला, मुद्रा, जनधन और अन्य योजनाओ तक महिलाओ को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त करने का प्रयास हुआ है। आज देश की महिलाएँ राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, सेना, खेल, उद्यमिता और शिक्षा सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे कदम राजनीतिक प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में भी एक नई दिशा का संकेत देते हैं। एक महिला जनप्रतिनिधि के रूप में मैं मानती हूँ कि जब देश की आधी आबादी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ती है, तब पूरा देश आगे बढ़ता है। मेरे लिए प्रधानमंत्री मोदी जी की यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक न्याय और अवसरों के विस्तार सेभी जुड़ा है। पिछड़े वर्गों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना के वल राजनीतिक प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है; यह शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, कौशल, वित्तीय अवसर और सम्मानजनक जीवन से जुड़ा व्यापक प्रश्न है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरकार ने वंचित वर्गों के लिए योजनाओ की पहुँच बढ़ाने, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण को मजबूत करने और अवसरों को अधिक व्यापक बनाने पर जोर दिया है। यही सोच 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के भाव को मजबूत करती है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने युवा नेतृत्व वाले क्षय रोग उन्मूलन प्रयासों को गति देने के लिए जोश टीमों का शुभारंभ किया

क्षय रोग उन्मूलन अभियान को नई गति देने के लिए जोश टीमें सक्रिय होंगी: जेपी नड्डा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यक्रम में क्षय रोग मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जोश टीमों का शुभारंभ किया। यह पहल क्षय रोग उन्मूलन के भारत के प्रयासों में युवाओं की अग्रणी सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा, पहुंच और प्रतिबद्धता का उपयोग करते हुए क्षय रोग की रोकथाम, शीघ्र निदान, समय पर उपचार और इससे जुड़े कलंक को कम करने का संदेश देश भर के समुदायों तक पहुंचाना है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने इस बात पर बल दिया कि भारत की क्षय रोग उन्मूलन रणनीति में जागरूकता और स्क्रीनिंग से आगे बढ़कर संपूर्ण उपचार प्रक्रिया को



शामिल करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जागरूकता और स्क्रीनिंग महत्वपूर्ण हैं लेकिन हमारी जिम्मेदारी यहीं खत्म नहीं होती। हमें निदान, उपचार और उपचार की पूर्णता सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने सक्रिय केस फाइंडिंग को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि क्षय रोग से पीड़ित व्यक्तियों की पहचान शीघ्र की जा सके और उन्हें उचित उपचार से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि शीघ्र निदान आगे संक्रमण को रोकने और परिवारों और समुदायों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की नवीनतम रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि भारत में क्षय रोग के मामलों में 21 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह कमी 12 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि भारत में क्षय रोग उपचार कवरेज बढ़कर 92 प्रतिशत हो गया है, जो वैश्विक स्तर पर 78 प्रतिशत से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि क्षय रोग के मामलों में कमी लाने और उपचार तक पहुंच बढ़ाने, दोनों ही मामलों में भारत की प्रगति वैश्विक रुझान से आगे है, जो राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत किए गए निरंतर और गहन प्रयासों का परिणाम है। साथ ही, उन्होंने आगाह किया कि इन उपलब्धियों से आत्मसंतुष्टि नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन इस गति को बनाए रखना और प्रयासों को और तेज करना आवश्यक है ताकि क्षय रोग से पीड़ित प्रत्येक व्यक्ति का निदान हो, उसे समय पर उपचार मिले और उपचार के दौरान उसे पूरा सहयोग मिले, जिससे क्षय रोग मुक्त भारत की दिशा में देश के सामूहिक संकल्प को बल मिले।

भोपाल मंडल में विशेष टिकट चेकिंग अभियान में 5,672 मामले पकड़े, 48.44 लाख जुर्माना वसूला

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया के निर्देशन में यात्रियों को उचित टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूक करने तथा बिना टिकट एवं अनुचित टिकट यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से 01 अक्टूबर से 07 अक्टूबर 2026 तक विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान भोपाल मंडल के प्रमुख स्टेशनों एवं ट्रेनों में वाणिज्य विभाग की टिकट चेकिंग टीमों द्वारा सघन जांच की गई। भोपाल, इटारसी, बीना, गुना एवं हरदा स्टेशनों पर विशेष रूप से व्यापक टिकट जांच अभियान चलाया गया। भोपाल स्टेशन पर सर्वाधिक 2,902 मामले पकड़े गए भोपाल स्टेशन पर अभियान के दौरान बिना टिकट यात्रा के 1,460 मामले पकड़े गए, जिनसे 14,49,045 जुर्माना राशि वसूल की गई। अनुचित टिकट के 1,391 मामलों में 10,56,100 तथा बिना बुक किए सामान के 51 मामलों में 15,440 जुर्माना राशि अर्जित की गई। इस प्रकार भोपाल स्टेशन पर कुल 2,902 मामलों में 25,20,585 जुर्माना वसूला गया। इटारसी स्टेशन पर 1,308 मामलों में कार्रवाई इटारसी स्टेशन पर बिना टिकट यात्रा के 679 मामले पकड़े गए, जिनसे 6,64,325 जुर्माना वसूला गया। अनुचित टिकट के 611 मामलों में 4,86,435 तथा बिना बुक किए सामान के 18 मामलों में 4,700 जुर्माना राशि अर्जित की गई। इस प्रकार कुल 1,308 मामलों में 11,55,460 जुर्माना वसूला गया। बीना स्टेशन पर बिना टिकट यात्रा के 497 मामले पकड़े गए, जिनसे 4,17,535 जुर्माना राशि वसूल की गई।

डांडिया, रामलीला व दुर्गोत्सव समितियां मीटरयुक्त, अस्थाई कनेक्शन लेकर करें झांकी पंडाल की सज्जा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे रामलीला, दुर्गोत्सव, डांडिया एवं गरबा उत्सव के दौरान धार्मिक पाण्डालों एवं झांकियों में बिजली साज-सज्जा कंपनी से नियमानुसार मीटर्ड अस्थायी कनेक्शन आवश्यक रूप से निर्धारित राशि जमा करने के उपरांत ही लें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने नवरात्रि त्यौहार तथा गरबा पंडालों को अस्थायी कनेक्शन देने के लिए नजदीकी वितरण केन्द्र/जोन कार्यालय के साथ ही ऑनलाइन भी प्रबंध किए गए हैं। प्रदेश की सभी धर्म की धार्मिक उत्सव समितियों से विद्युत क्षेत्र की सभी कंपनियों ने अपील की है कि वे धार्मिक आयोजन पूरे उल्लास, तन्मयता और परम्परानुसार मनाएं साथ ही पाण्डाल और उसके बाहर मैदान, सड़क पर लगाई जाने वाली बिजली में कम से कम 25 प्रतिशत की बचत कर ऊर्जा संरक्षण में अपना योगदान दें।



अस्थाई कनेक्शन लेने हेतु क्या करें श बिजली कंपनी के पोर्टल पर जाकर निर्धारित प्रपत्र में सही, संयोजित विद्युत भार को दर्शाते हुए अस्थायी कनेक्शन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करें। लायसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट आवेदन में संलग्न करें एवं वायरिंग इत्यादि लायसेंसधारी विद्युत ठेकेदार से ही करवाएं। आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि अग्रिम जमा कराकर बिजली कंपनी से अस्थाई कनेक्शन की रसीद अवश्य लें। रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल/झांकी के सामने लगाएं। आवेदित विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग विद्युत साज-सज्जा के लिए न करें। विद्युत कनेक्शन मीटरीकृत होगा एवं विद्युत देयक की बिलिंग नियमानुसार अस्थायी कनेक्शन हेतु लागू घरेलू दर पर की जाएगी। झांकियों के निर्माण एवं विद्युत साज-सज्जा में सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। अनधिकृत तरीके से विद्युत का उपयोग न करें।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियानः एम्स हॉस्पिटल गेट नं. 2 पर कल लगेगा वृहद जनकल्याण शिविर

एक ही स्थान पर होगा नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान -2026 के अंतर्गत जोन क्रमांक -13, वार्ड क्रमांक-54 (बरकतउल्ला वार्ड) स्थित एम्स हॉस्पिटल गेट नं. 2 के पास 09 अक्टूबर, 2026 को प्रातः 10 बजे से वृहद जनकल्याण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में नागरिकों एवं हितग्राहियों की समस्याओं तथा शासकीय योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का एक ही स्थान पर त्वरित निराकरण किया जाएगा। इस दौरान नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों पर चर्चा भी की जाएगी। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), नगर निगम अधिकारियों तथा संबंधित विभागों को पूरी सक्रियता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर पात्र नागरिकों के प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अधिकारियों को शिविर से पूर्व संबंधित वार्डों का भ्रमण कर नागरिकों की समस्याओं और लंबित प्रकरणों



की विभागवार सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दर्ज शिकायतों के निराकरण के लिए सैचुरेशन मोड में कार्य किया जाए, जिससे अधिकतम नागरिकों को शिविर स्थल पर ही राहत प्रदान की जा सके। शिविर में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जनसुनवाई, लोक सेवा गारंटी और लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा के साथ आयुष्मान भारत कार्ड, समग्र ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा शहरी विकास से जुड़ी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

रानी कमलापति-दानापुर, रानी कमलापति-रीवा सहित इटारसी, बीना एवं गुना होकर प्रमुख शहरों के लिए अतिरिक्त रेल सेवाएं

त्योहारी सीजन में यात्रियों को बड़ी राहत, भोपाल मंडल होकर चलेंगी अनेक स्पेशल ट्रेनें

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

आगामी दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान बढ़ने वाले अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेल द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए भोपाल मंडल होकर विभिन्न प्रमुख गंतव्यों के लिए अनेक स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इन अतिरिक्त रेल सेवाओं से यात्रियों को यात्रा के लिए अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होंगे तथा नियमित ट्रेनों में बढ़ने वाले यात्री भार को कम करने में भी मदद मिलेगी। 1. रानी कमलापति-दानापुर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति-दानापुर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को 12 अक्टूबर से 16 नवंबर 2026 तक संचालित होगी। यह ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 14:25 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 09:15 बजे दानापुर पहुंचेगी। इस दिशा में कुल 11 सेवाएं संचालित होंगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01668 दानापुर-रानी कमलापति द्वि-साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को 13 अक्टूबर से 17 नवंबर 2026 तक संचालित होगी। यह ट्रेन दानापुर से सुबह 11:20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 10:50 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। इस दिशा में भी कुल 11 सेवाएं संचालित होंगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल



उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा सहित प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी। 2. रानी कमलापति-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट पूजा स्पेशल गाड़ी संख्या 02191 रानी कमलापति-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट पूजा स्पेशल के 04 फेरे 17 एवं 24 अक्टूबर तथा 07 एवं 14 नवंबर 2026 को संचालित किए जाएंगे। वापसी में गाड़ी संख्या 02192 रीवा-रानी कमलापति साप्ताहिक सुपरफास्ट पूजा स्पेशल के भी 04 फेरे निर्धारित हैं। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, मैहर एवं सतना स्टेशनों पर ठहरेगी। भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन होकर भी त्योहारी सीजन के दौरान विभिन्न प्रमुख शहरों के लिए अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन सेवाएं संचालित की जाएंगी। 3. लोकमान्य तिलक टर्मिनस-मऊ द्विसाप्ताहिक स्पेशल गाड़ी संख्या 01123/01124 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस द्विसाप्ताहिक स्पेशल में दोनों दिशाओं में निर्धारित अवधि के अनुसार सेवाएं संचालित होंगी। इटारसी स्टेशन पर गाड़ी संख्या 01123 का आगमन 23:56 बजे एवं प्रस्थान 00:01 बजे, जबकि गाड़ी संख्या 01124 का आगमन 02:00 बजे एवं प्रस्थान 02:05 बजे रहेगा। 4. पुणे-गोरखपुर दैनिक स्पेशल गाड़ी संख्या 01415/01416 पुणे-गोरखपुर-पुणे दैनिक स्पेशल दिनांक 16 अक्टूबर से 16 नवंबर 2026 तथा वापसी दिशा में 17 अक्टूबर से 17 नवंबर 2026 तक कुल 32-32 फेरे संचालित करेगी। इटारसी स्टेशन पर गाड़ी संख्या 01415 का आगमन/प्रस्थान समय 21:10/21:20 बजे तथा गाड़ी संख्या 01416 का 12:10/12:20 बजे रहेगा। 5. लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर दैनिक स्पेशल गाड़ी संख्या 01079/01080 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस दैनिक स्पेशल दिनांक 16 अक्टूबर से 16 नवंबर 2026 तथा वापसी दिशा में 18 अक्टूबर से 18 नवंबर 2026 तक कुल 32-32 फेरे संचालित करेगी। इटारसी स्टेशन पर गाड़ी संख्या 01079 का आगमन/प्रस्थान 13:05/13:15 बजे तथा गाड़ी संख्या 01080 का 08:40/08:45 बजे रहेगा।

संपादकीय

आकाशवाणी बना जंतर-मंतर

विपक्ष के इंडी गठबंधन ने सेव डेमोक्रेसी मार्च निकाला, लेकिन वह हुजूम के अलावा कुछ भी साबित नहीं हुआ। अंततः विरोध-प्रदर्शन बंजर ही रहा। यदि विपक्ष को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो चुनाव आयुक्तों से मिल कर अपना ज्ञापन सौंपना था, तो संवैधानिक संस्था के प्रोटोकॉल के मुताबिक, समय मांगना चाहिए था। करीब 200 या 300 सांसद एकसाथ चुनाव आयोग में न तो जा सकते हैं और न ही कोई सार्थक संवाद संभव है, लिहाजा विपक्ष के 5-7 नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल तय किया जाना चाहिए था, जो चुनाव आयोग में संवाद कर सकता था। बैरिकेड्स पर चढ?ा, अपनी पहलवानी मुद्राएं दिखाना और अनाप-शनाप नारेबाजी करने से न तो सत्ताएं घबराती हैं और न ही सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता डर कर इस्तीफा दे सकते हैं। उन्हें भी संविधान का संरक्षण हासिल है। सवाल आंदोलन की नीयत और हुजूम की अराजकता का भी है। जब विपक्ष को चुनाव आयोग के मुख्यालय तक मार्च करना था, तो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, उनकी सांसद बहन प्रियंका गांधी और कुछ पिछलग्गू कांग्रेसी सांसद अचानक आकाशवाणी भवन में क्यों घुस गए? वहां सरकारी दफ्तर हैं, जो कामकाज करते रहते हैं। उन्हें बाधा पहुंचाना भी दंडनीय अपराध है। कांग्रेस गच्चा देकर चुनाव आयोग तक पहुंचने की पहलवानी की रणनीति खेल रही होगी, क्योंकि आकाशवाणी के पिछले दरवाजे से आयोग का मुख्य दरवाजा कुछ मीटर के फासले पर ही था, लेकिन सुरक्षा-व्यवस्था अपेक्षाकृत ज्यादा चौकन्नी होती है।

वह दरवाजा स्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। अंततः राहुल गांधी और सहयोगी प्रदर्शनकारियों को हार कर, आकाशवाणी भवन के भीतर ही, बरगद के पुराने पेड़ की छाया में, कथित धरना देना पड़ा। यह नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक पद के प्रति सम्मान का भाव ही था कि पुलिस अधिकारी और बाद में गृह मंत्रालय के आला अफसरों ने राहुल गांधी को समझाया कि आकाशवाणी भवन जंतर-मंतर नहीं है। धरने-प्रदर्शन का अधिकृत स्थान नहीं है, लिहाजा उन्हें धरना समाप्त कर देना चाहिए। लेकिन राहुल, प्रियंका, वेणुगोपाल, दीपेन्द्र हुड्डा, पवन खेड़ा आदि कांग्रेसी सांसद करीब 9 घंटे तक पेड़ के नीचे बैठे रहे। वहीं खाना-पीना जारी रहा। यह कैसा विरोध-प्रदर्शन था! नारेबाजी भी थक कर खामोश हो चुकी थी। सांसद अलसा रहे थे। अंततः गृह मंत्रालय के शीर्ष आदेशों के बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें जबरन उठाया और हिरासत में लेकर किंग्सवे कैंप पुलिस लाइन भेज दिया। रात्रि करीब 10 बजे सभी को मुक्त भी कर दिया गया। क्या हासिल हुआ? क्या ऐसे हुजूम से चुनाव आयोग घुटने टेक सकता है? क्या करोड़ों मतदाताओं को उनका मताधिकार बहाल कराया जा सकता है? दिन भर के नाटक का तो पटाक्षेप हो गया, उसी दौरान कुछ पुराने वीडियो टीवी चैनलों पर दिखाई दिए। उनमें खुद राहुल गांधी, राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रहे अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता सचिन पायलट आदि डुप्लीकेट और फर्जी मतदाताओं की शिकायत कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर भी बयान दे चुके हैं कि केरलम में मतदाता सूचियों से फर्जी नाम काट देने का फायदा पार्टी को मिला और सरकार बन सकी। वीडियो में कांग्रेसी नेता डुप्लीकेट नामों को समाप्त करने की मांग कर रहे थे। अब चुनाव आयोग के अभियान में कई विसंगतियां, गलतियां, लापरवाहियां सामने आई हैं, लेकिन अब मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है।

कमोबेश उसे न्याय करने दीजिए। अदालत का न्याय भी उचित न लगे, तो आंदोलन का रास्ता तो हमेशा खुला है। एक और ऐतिहासिक तथ्य सामने रखने का मन कर रहा है। यदि तमिलनाडु में 1967 से, बंगाल में 1977 से, उप्र में 1989 से, गुजरात में 1995 से और ओडिशा में 2005 से कांग्रेस सत्ता से बाहर है, तो ये वोट चोरी के नतीजतन नहीं हैं। जनता ने उसे खारिज किया है, लिहाजा जनमत लगातार कांग्रेस के खिलाफ रहा है। कांग्रेस करीब 280 लोकसभा सीटों के समान क्षेत्रों में शून्य हो चुकी है। यह शून्यता चुनाव आयोग के किसी अभियान की वजह से नहीं है, लिहाजा कांग्रेस को देश के ज्वलंत मुद्दों पर भी सडकों पर बिछ जाना चाहिए।

बदलते युद्ध में वायु शक्ति की भूमिका

नभः स्पृशं दीप्तम का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा जब भारत अपने आकाश को केवल साहस के भरोसे नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक, पर्याप्त संख्या में लड़ाकू विमानों, मजबूत वायु रक्षा, विश्वसनीय हथियार प्रणालियों से सुरक्षित रखे

अनुज आचार्य

> सितंबर 2025 में रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ 97 तेजस एमके-1ए विमानों के लिए 62370 करोड़ रुपए से अधिक का अनुबंध किया। इनमें 68 लड़ाकू विमान और 29 ट्विन-सीटर शामिल हैं। इनकी आपूर्ति 2027-28 से शुरू होकर छह वर्षों में पूरी होनी है। इन विमानों में 64 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री रखने तथा उत्तम एईएसए रडार और अन्य स्वदेशी प्रणालियों को शामिल करने की योजना है।

नभः स्पृशं दीप्तम अर्थात गौरव के साथ आकाश को छूना। भारतीय वायुसेना का यह ध्येय वाक्य केवल शब्द नहीं, बल्कि उस अदम्य संकल्प का प्रतीक है जिसमें साहस, शौर्य, तकनीकी दक्षता और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति सर्वोच्च समर्पण निहित है। इसकी प्रेरणा श्रीमद्भगवद्गीता के 11वें अध्याय के उस प्रसंग से जुड़ी है जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप का वर्णन करते हुए उनके तेजोमय स्वरूप के आकाश को स्पर्श करने का उल्लेख मिलता है। यही भाव भारतीय वायुयोद्धाओं के साहस और कर्तव्यनिष्ठा में दिखाई देता है, जो हर परिस्थिति में देश के आकाश की सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। 8 अक्टूबर 1932 को अस्तित्व में आई भारतीय वायुसेना वर्ष 2026 में अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है। छह अधिकारियों और 19 एयरमैन से शुरू हुई इसकी यात्रा आज आधुनिक लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों, परिवहन विमानों, रडार, मिसाइलों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों और नेटवर्क आधारित युद्ध क्षमता से लैस एक महत्वपूर्ण सामरिक शक्ति में बदल चुकी है। आज भारतीय वायुसेना में 1.40 लाख से अधिक सक्रिय सैन्यकर्मी हैं। वायुसेना दिवस आत्ममंथन का भी दिन है कि बदलते युद्ध के दौर में हमारी वायुशक्ति कितनी तैयार है और आने वाली चुनौतियों के लिए हमें क्या करना होगा। भारतीय वायुसेना की उपलब्धियों का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है।

1947-48, 1965 और 1971 के युद्धों से लेकर कारगिल संघर्ष तक वायुसेना ने अपनी भूमिका साबित की है। समय के साथ युद्ध का स्वरूप बदला है और अब केवल पायलट की वीरता या विमान की गति निर्णायक नहीं होती। आधुनिक युद्ध में रडार, उपग्रह, ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, लंबी दूरी की मिसाइलें, सुरक्षित संचार और रियल टाइम सूचना भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई हैं। इसलिए आज वायुशक्ति का अर्थ केवल लड़ाकू विमानों की संख्या नहीं, बल्कि एक संपूर्ण और परस्पर जुड़ी हुई युद्ध प्रणाली है। इसलिए भविष्य की भारतीय वायुशक्ति में लड़ाकू विमानों के साथ एयरबोर्न अर्ली वार्निंग सिस्टम, हवा में ईंधन भरने वाले विमान, ड्रोन, मिसाइल और मजबूत एयर डिफेंस नेटवर्क की भूमिका बढ? वाली है। इसी के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा की दीर्घकालिक मजबूती के लिए अग्निवीर वायुसैनिकों के स्थान पर पर्याप्त नियमित वायुसैनिकों की भर्ती अपरिहार्य है। भारतीय वायुसेना की वास्तविक चुनौती यहीं से शुरू होती है। स्वीकृत 42 लड़ाकू स्क्वाड्रनों के मुकाबले सक्रिय स्क्वाड्रनों की संख्या तीन दर्जन से भी कम रहने की रिपोर्टें सामने आती रही हैं और 2026 में यह संख्या लगभग 29 तक बताई गई है। यह अंतर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दूसरी ओर पुराने मिग-21 के विदा होने के साथ जगुआर, मिराज-2000 और मिग-29 जैसे अपेक्षाकृत पुराने बेड़ों के आधुनिकीकरण अथवा भविष्य में चरणबद्ध सेवानिवृत्ति की चुनौती भी सामने है। समस्या केवल विमानों की कमी की नहीं है, बल्कि पुराने विमानों के हटने और नए विमानों के शामिल होने के बीच पैदा होने वाले अंतर की है। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह भी इस चुनौती को कई बार रेखांकित कर चुके हैं। फरवरी 2025 में उन्होंने कहा था कि देश को हर वर्ष लगभग 35 से 40 लड़ाकू विमानों का उत्पादन करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसी उत्पादन क्षमता रातोंरात तैयार नहीं हो सकती। यह टिप्पणी बताती है कि भारत के सामने चुनौती केवल विमान खरीदने की नहीं, बल्कि एक ऐसी स्थायी औद्योगिक क्षमता तैयार करने की है जो संकट के समय लगातार विमानों और उनके कलपुर्जों की आपूर्ति कर सके। इस दिशा में तेजस कार्यक्रम उम्मीद की महत्वपूर्ण किरण है।

सितंबर 2025 में रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ 97 तेजस एमके-1ए विमानों के लिए 62370 करोड़ रुपए से अधिक का अनुबंध किया। इनमें 68 लड़ाकू विमान और 29 ट्विन-सीटर शामिल हैं। इनकी आपूर्ति 2027-28 से शुरू होकर छह वर्षों में पूरी होनी है। इन विमानों में 64 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री रखने तथा उत्तम एईएसए रडार और अन्य स्वदेशी प्रणालियों को शामिल करने की योजना है। सितंबर 2026 में एचएएल द्वारा तेजस एफओसी ट्विन-सीटर प्रशिक्षक विमानों की वायुसेना को सुपुर्दगी भी स्वदेशी एयरोस्पेस क्षमता के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रही है। लेकिन केवल तेजस पर निर्भर रहकर तत्काल कमी पूरी नहीं की जा सकती। इसी कारण 114 बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों की संभावित खरीद भी महत्वपूर्ण है। 2026 में फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने भारत के साथ 114 राफेल विमानों की संभावित बड़ी डील पर बातचीत जारी रहने की पुष्टि की है, जिसमें भारत में विमानों के निर्माण की संभावना भी शामिल है। भारतीय वायुसेना के सामने चुनौतियां गंभीर अवश्य हैं, लेकिन सामर्थ्य की कमी नहीं है। हमारे पास अनुभवी और साहसी वायुयोद्धा, राफेल और सुखोई-30 एमकेआई जैसे आधुनिक लड़ाकू विमान, तेजस जैसी स्वदेशी पहल, मजबूत मिसाइल क्षमता और तेजी से विकसित होता रक्षा उद्योग है। जरूरत इस बात की है कि आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में गति, उत्पादन में निरंतरता और स्वदेशी तकनीक में निवेश को समान प्राथमिकता मिले। नभः स्पृशं दीप्तमह्न का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा जब भारत अपने आकाश को केवल साहस के भरोसे नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक, पर्याप्त संख्या में लड़ाकू विमानों, मजबूत वायु रक्षा, विश्वसनीय हथियार प्रणालियों, प्रशिक्षित मानव संसाधन और आत्मनिर्भर औद्योगिक क्षमता से सुरक्षित रखे। आकाश को छूना गौरव की बात है, लेकिन उस विशाल आकाश की सुरक्षा के लिए हर समय तैयार रहना उससे कहीं बड़ी जिम्मेदारी है।

भारतीय वायुसेना के 94वें स्थापना दिवस पर देश के वीर वायुयोद्धाओं को नमन करते हुए यही संकल्प होना चाहिए कि बदलती युद्ध तकनीक और नई सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत की वायुशक्ति न केवल सक्षम रहे, बल्कि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप निरंतर मजबूत होती रहे। वायुसेना दिवस पर सशस्त्र सेनाओं के अधिकारियों/सैनिकों को हार्दिक बधाइयां, जयहिंद! आओ, वायु सेना की मजबूती का संकल्प लें।

स्मृति शेषः दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर

के. के. उपाध्याय



नाना पाटेकर का दुनिया से चले जाना अभिनय जगत में ऐसा शून्य छोड़ गया है, जिसके समकक्ष पहुंच पाना बहुत कठिन होगा। कुछ अभिनेता उभरकर सिने पर्दे पर आते हैं, उनका अभिनय आकर्षित करता है तो तालियां बटोरते हैं और चले जाते हैं। लेकिन कुछ कलाकार दर्शकों के दिल में गहरे तक उतर जाते हैं। उनके फिल्मी संवाद स्मृतियों का हिस्सा बन जाते हैं। उनका चेहरा एक विचार बन जाता है। उनकी आवाज व्यवस्था से सवाल पूछने लगती है।

नाना पाटेकर ऐसे ही कलाकार थे।

वे सिर्फ अभिनेता नहीं थे, शानदार इंसान भी थे। बेबाक। संवेदनशील। स्वाभिमानी। अपनी शर्तों पर जीने वाले। अभिनय में जितने प्रखर, निजी जीवन में उतने ही सादगी प्रिय।

नाना को देखकर कभी लगा ही नहीं कि वे अभिनय कर रहे हैं। ऐसा लगता था जैसे पर्दे से सीधे दर्शकों के साथ संवाद कर रहे हों। उनकी आँखें बोलती थीं। चेहरे की एक-एक रेखा संवाद करती थी। आवाज में अद्भुत दम था। संवाद अदायगी में ऐसा प्रवाह कि शब्द सीधे हृदय में उतर जाते थे। वे संवाद बोलते नहीं थे, उन्हें जीते थे।

मुझे आज भी याद है। मैंने नाना पाटेकर की पहली फिल्म 'प्रतिघात' देखी थी। वह 1987 का दौर था। उस फिल्म में उनका किरदार मानसिक रूप से अस्थिर दिखाई देता था लेकिन उसकी बातें देश की थीं। व्यवस्था की थीं। समाज की थीं। उसकी बेचैनी में एक सामान्य नागरिक का आक्रोश था। वह किरदार मेरे मन में कहीं ठहर गया।

उस समय शायद कल्पना भी नहीं की थी कि यही अभिनेता आगे चलकर भारतीय सिनेमा में अभिनय की अलग परिभाषा लिखेगा।

नाना की विशेषता थी कि उनके अभिनय में बनावट नहीं थी। वे पारंपरिक नायक की छवि में फिट नहीं बैठते थे। न चमकदार चेहरा। न बनावटी मुस्कान। न नायक बनने के लिए आवश्यक समझी जाने वाली अदाएँ लेकिन जब पर्दे पर आते थे तो दूसरे कलाकारों की उपस्थिति छोटी पड़ जाती थी। फिल्म 'परिंदा' में उनका भयावह व्यक्तित्व देखिए। फिल्म 'प्रहार' में अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण देखिए। फिल्म 'क्रांतिवीर' में व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह देखिए। फिल्म 'यशवंत' में एक ईमानदार पुलिस अधिकारी का आक्रोश देखिए। फिल्म 'अब तक छप्पन' में कठोरता देखिए। और फिर फिल्म 'वेलकम' में उनकी अद्भुत हास्य प्रतिभा देखिए।

एक ही अभिनेता के इतने रूप! यही नाना की विलक्षणता थी।

उनकी फिल्म 'क्रांतिवीर' का वह दृश्य भला कौन भूल सकता है, जब वे फाँसी के तख्ते पर खड़े होकर गरजते हैं,-

'आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने!'

यह केवल एक फिल्मी संवाद नहीं था। यह उस व्यवस्था के विरुद्ध आक्रोश था। जिसमें अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाला व्यक्ति ही अपराधी बना दिया जाता है।

इसी फिल्म में उनका एक और संवाद समाज की सांप्रदायिक संकीर्णता पर सीधा प्रहार करता है,-

'बता ये मुसलमान का खून है या ये हिंदू का खून है, बता!'

नाना के संवादों में मनोरंजन के साथ सामाजिक चेतना भी थी। वे दर्शकों को उत्तेजित ही नहीं करते थे। सोचने के लिए भी विवश करते थे। फिल्म 'यशवंत' का उनका प्रसिद्ध मच्छर वाला संवाद आज भी लोगों की जुबान पर है। फिल्म 'तिरंगा' का वह अंदाज पहले लात, फिर बात आज भी याद किया जाता है। और फिल्म 'वेलकम' में उदय शेट्टी बनकर उनका यह कहना कि भगवान का दिया हुआ सबकुछ है हास्य अभिनय की यादगार मिसाल बन गया। सोचिए! जिस अभिनेता की आवाज सुनकर दर्शकों की मुट्ठियाँ तन जाती थीं, वही अभिनेता कुछ वर्षों बाद अपनी अदाओं से उन्हें ठहाके लगाने पर मजबूर कर देता था।

यह साधारण प्रतिभा नहीं थी।

लेकिन नाना के व्यक्तित्व का एक दूसरा पक्ष भी था। जो संभवतः उनके अभिनय से कहीं अधिक बड़ा था।

महाराष्ट्र में जब किसान सूखे और आत्महत्या की त्रासदी से जूझ रहे थे, तब नाना केवल संवेदना व्यक्त करके नहीं रह गए। उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ मिलकर साल 2015 में नाम फाउंडेशन की शुरूआत की। किसान परिवारों की सहायता, जल संरक्षण और ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम किया।

यही अंतर है प्रसिद्धि और सार्थकता में। बहुत से लोग फिल्मों में किसानों का दर्द बेचते हैं। नाना किसानों का दर्द बाँटने उनके बीच पहुँचते थे।

उनके जीवन में देश के प्रति लगाव केवल संवादों तक सीमित नहीं था। फिल्म 'प्रहार' के लिए उन्होंने सैन्य प्रशिक्षण लिया। भारतीय प्रादेशिक सेना से उनका जुड़ाव रहा। उनके भीतर सैनिक अनुशासन और देश के प्रति सम्मान का भाव स्पष्ट दिखाई देता था।

तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और पद्मश्री जैसे सम्मान उनकी प्रतिभा की सार्वजनिक स्वीकृति थे। लेकिन नाना की असली उपलब्धि पुरस्कार नहीं थे। वह स्थान था, जो उन्होंने करोड़ों दर्शकों के हृदय में बनाया।

नाना पाटेकर की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वे असहज करने वाले सवाल पूछने से नहीं डरते थे। उनके अभिनय में विद्रोह था लेकिन वह निरर्थक विद्रोह नहीं था। उसमें समाज के प्रति चिंता थी। व्यवस्था के प्रति आक्रोश था। अन्याय के प्रति असहमति थी।

आज सिनेमा में तकनीक बढ़ गई है। दृश्य भव्य हो गए हैं। प्रचार का शोर बढ़ गया है लेकिन ऐसे कलाकार कम होते जा रहे हैं, जो केवल अपनी आवाज, आँखों और चेहरे के भावों से पूरा दृश्य अपने नाम कर लें।

नाना ऐसे ही कलाकार थे।

आज उनके निधन का समाचार आया तो मन अचानक फिल्म 'प्रतिघात' के उस किरदार की ओर लौट गया, जिसे मैंने लगभग चार दशक पहले देखा था। तब वह किरदार देश और व्यवस्था से सवाल पूछ रहा था। बाद के दशकों में नाना ने अलग-अलग किरदारों के माध्यम से वही बेचैनी जीवित रखी।

नाना चले गए।

लेकिन उनकी आवाज नहीं जाएगी। उनका आक्रोश नहीं जाएगा। उनके संवाद नहीं जाएँगे। उनका वह विशिष्ट अंदाज नहीं जाएगा।

जब भी भारतीय सिनेमा में स्वाभाविक अभिनय की चर्चा होगी, जब भी दमदार संवाद अदायगी का उल्लेख होगा, जब भी पर्दे पर व्यवस्था से टकराने वाले किसी विद्रोही चरित्र की बात होगी, नाना पाटेकर याद आएँगे। क्योंकि नाना पाटेकर केवल किरदार नहीं निभाते थे। वे किरदारों में अपना जीवन भर देते थे। ऐसे कलाकार मरते नहीं। वे अपने अभिनय में जीवित रहते हैं।

अलविदा नाना!

आपके जाने से पर्दा सूना हुआ है। लेकिन आपकी आवाज और अदायगी भारतीय सिनेमा की स्मृतियों में हमेशा गूँजती रहेगी।

विनम्र श्रद्धांजलि।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

न्यूज ब्रीफ

मुस्लिम समाज का तीसरा प्रांतीय शादी परिचय कार्यक्रम 11 को



ग्वालियर। ग्वालियर में मुस्लिम समाज का तीसरा प्रांतीय शादी परिचय कार्यक्रम 11 अक्टूबर को आयोजित होने जा रहा है। सम्मेलन के संयोजक एएच खान के अनुसार, यह अनूठा आयोजन शिखा वाटिका, पुलिस पेट्रोल पंप के सामने, कंपू में सुबह 10 बजे से दोपहर बाद 3 बजे तक संपन्न होगा। इस आयोजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें समाज के सामान्य युवक-युवतियों के साथ-साथ विधवा और तलाकशुदा लोगों के वैवाहिक परिचय की भी विशेष व्यवस्था की गई है, जिसके लिए पंजीयन की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। इस दौरान मनोरंजन के लिए गीत-गजल का कार्यक्रम भी रखा गया है। इस सम्मेलन में भाग लेने वाले युवक अपना परिचय स्वयं मंच से देंगे, जबकि युवतियों और महिलाओं का परिचय उनके परिवार के सदस्य, रिश्तेदार या आयोजन समिति के लोग कराएंगे। मुस्लिम समाज द्वारा इस तरह की पहल किए जाने के पीछे मुख्य उद्देश्य समाज की कुरीतियों और रूढ़िवादी परंपराओं को समाप्त करना तथा शादी-ब्याह के नाम पर होने वाले फिजूलखर्च से बचना है।

बालिकाओं के लिए निःशुल्क सेल्फ डिफेंस प्रोग्राम 15 से



ग्वालियर। ग्वालियर में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए रोटरी क्लब हेरिटेज और दुर्वाकुर लोक कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष सेल्फ डिफेंस प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शिविर आगामी 15 अक्टूबर से केआरजी कॉलेज में शुरू होगा और 17 अक्टूबर तक चलेगा। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम महिलाओं और बालिकाओं के लिए पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।आयोजकों के मुताबिक, इस शिविर में भाग लेने के लिए अब तक लगभग 350 बालिकाएं अपना रजिस्ट्रेशन करा चुकी हैं, जबकि कुल 500 से 550 प्रतिभागियों को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। इस शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए वर्ल्ड रिकॉर्ड धारी बलवंत सिंह देवड़ा विशेष रूप से ग्वालियर आ रहे हैं।

पाँच प्रतिष्ठानों से 2 लाख 20 हजार रुपए जुर्माने की राशि वसूली



ग्वालियर। खाद्य सुरक्षा विभाग के माध्यम से खाद्य पदार्थों की सेम्पलिंग के उपरांत अमानक पाए गए खाद्य पदार्थों पर जुर्माने की कार्रवाई की गई । जुर्माने की राशि जमा न करने पर पाँच व्यवसाइयों से 2 लाख 20 हजार रुपए की जुर्माना की राशि वसूल की गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर खाद्य विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को पाँच संस्थानों की जाँच कर 2 लाख 20 हजार रुपए की राशि वसूल की है। उक्त राशि खाद्य पदार्थों के सेम्पल अमानक पाए जाने पर इनके विरूद्ध दण्ड स्वरूप आरोपित की गई थी। जिन प्रतिष्ठानों से जुर्माना राशि जमा कराई गई है उनमें पंडित डेयरी राजपायगा रोड से एक लाख रुपए, श्रीराम स्वीट्स दाल बाजार पर आरोपित एक लाख रुपए, न्यू अपसरा रेस्टोरेंट नईसड़क से 50 हजार रुपए, न्यू पंजाब डेयरी दहीमंडी से 50 हजार रुपए की राशि जमा कराने के साथ ही शेष डेढ़ लाख रुपए की राशि 7 दिन में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मद्य निषेध सप्ताह के समापन एवं दिव्यांगजन-वृद्धजन चिन्हांकन शिविर का हुआ आयोजन

नशा मुक्ति के लिये सभी को सार्थक प्रयास करने की है जरूरतः मंत्री नारायण कुशवाह

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 157वीं जयंती के उपलक्ष्य में 02 अक्टूबर से 08 अक्टूबर 2026 तक आयोजित 'मद्य निषेध सप्ताह' का समापन समारोह एवं दिव्यांगजन तथा वृद्धजन (राष्ट्रीय वयोश्री योजना) चिन्हांकन शिविर आज श्री परमानंद सिंधी हिंदू धर्मशाला ट्रस्ट, महाराज बाड़ा, शासकीय गजरा राजा हायर सेकेंडरी स्कूल के पास, लश्कर, ग्वालियर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन कल्याण एवं उद्यानिकी मंत्र श्री नारायण सिंह कुशवाह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जगदुरु श्री आनंदेश्वर महाराज, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, सामाजिक न्याय विभाग की ज्वाइंट डायरेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल, सहायक संचालक श्री सुमित रघुवंशी, वार्ड क्रमांक 50 के पार्षद श्री अनिल सांखला, ब्रह्माकुमारी आश्रम से बी.के. ज्योति बहन, ओएसटी सेंटर से डॉ. रश्मि मिश्रा, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्रीमती पूर्वी अग्रवाल, श्री आकाश वशिष्ठ, श्री रवि पामबानी, रमन शिक्षा समिति के श्री हरिओम गौतम, अहिंसा महिला बाल कल्याण समिति के श्री दीपक श्रीवास्तव तथा कलाराम शिक्षा प्रचार समिति से श्रीमती बबीता सहित अन्य गणमान्य अतिथि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिहं कुशवाह ने कहा है कि नशा मनुष्य के जीवन और उसके परिवार को नष्ट करता है। युवा पीढ़ी को नशे से दूर करने के लिये मद्य निषेध सप्ताह का आयोजन किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा भी नशा मुक्ति के लिये विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जन जागरूकता के माध्यम से ही नशे से मुक्ति दिलाई जा सकती है। हम सबको नशा मुक्ति के लिये सार्थक प्रयास करने की आवश्यकता है। उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि मद्य निषेध सप्ताह के समापन अवसर पर दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण करने हेतु चिन्हांकन शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है। 16 अक्टूबर को आयोजित होने वाले शिविर में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरित किए जायेंगे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा है कि दिव्यांगजनों एवं वयोश्री लोगों के लिये चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में चिन्हित हुए लोगों को शीघ्र ही एलिम्को के माध्यम से सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरित किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायतार्थ अनेक प्रयास किए जाते हैं।

जिले में सभी त्यौहार शांति और सदभाव से मनाए जायेंगे, समिति के सदस्यों ने की शांति और सदभाव की अपील

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर शहर सहित सम्पूर्ण जिले में सभी त्यौहार शांति, सदभाव एवं सामाजिक समरसता के साथ मनाए जायेंगे। जिला शांति समिति ने जिले के निवासियों से अपील की है कि जिले में शांति, सदभाव व सामाजिक समरसता का माहौल बना रहे। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को समिति के सभी सदस्यों ने आश्वस्त किया है कि शांति और सदभाव के साथ सभी त्यौहार मनाए जायेंगे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता में गुरुवार 8 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में जिला शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, एडीएम श्री सी बी प्रसाद सहित शांति समिति के सभी सदस्यगण और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। शांति समिति की बैठक में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले त्यौहारों के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। इनमें नवदुर्गा महोत्सव, दशहरा, धनतेरस, दिवाली, गोवर्धन पूजा, भाईदूज, गुरुनानक जयंती, क्रिसमस एवं नववर्ष के आयोजन के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। त्यौहारों के अवसर पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम को सभी आवश्यक व्यवस्थायें करने के संबंध में भी दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जिला शांति समिति के सदस्यों से आग्रह किया है कि सभी त्यौहारों पर शांति और सदभाव के साथ आयोजन हो, इसके लिये शांति समिति की ओर से भी नागरिकों से अपील की जाए। इसके साथ ही त्यौहारों के आयोजन के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व स्तर से भी शांति समिति की बैठकें आयोजित की जायेंगीं। त्यौहारों के अवसर पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग भी नियमानुसार हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। नवदुर्गा के अवसर पर आयोजित होने वाले गरबा आयोजन के लिये महिला पुलिस का दल भी शहर में भ्रमण कर व्यवस्थाओं को देखेगा। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

पुलिस ने मंदिर से घण्टे चोरी करने वाले चोर को चोरी के 03 घण्टों सहित किया गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर जिले के भितरवार थाना क्षेत्र में स्थित एक मंदिर से पीतल के घंटे चुराने वाले एक चोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए तीन छोटे-बड़े घंटे भी बरामद कर लिए हैं, जबकि उसका एक अन्य साथी अभी फरार चल रहा है जिसकी तलाश की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत, एसडीओपी भितरवार गगन हनवत के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी निरीक्षक दीपेन्द्र सिंह कुशवाह की टीम ने यह कार्रवाई की। खेड़ापति माता मंदिर के पुजारी और वार्ड 14 निवासी श्याम सुन्दर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 25 सितंबर 2026 की सुबह जब वे पूजा करने पहुंचे, तो मंदिर के गेट का ताला तोड़कर चोर वहां लगे पीतल के 5 छोटे-बड़े घंटे चुरा ले गए थे। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की थी। मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया मुख्य आरोपी विवेचना के दौरान 7 अक्टूबर 2026 को मिली मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने एक संदेही को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सोनू उर्फ संजू सोलंकी (निवासी बड़ा रोड किशन बाग, बहोड़ापुर, ग्वालियर) बताया। पकड़े गए आरोपी ने अपने साथी बल्लू कुशवाह के साथ मिलकर चोरी करना कबूल किया। आरोपी की निशानदेही पर स्टेडियम के पीछे झाड़ियों से चोरी किए गए तीन पीतल के घंटे बरामद कर लिए गए।

गांधी प्राणी उद्यान धूमधाम से संपन्न हुआ वन्यप्राणी सप्ताह : प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



नगर निगम ग्वालियर द्वारा संचालित गांधी प्राणी उद्यान में वन्यजीवों के संरक्षण एवं उनके प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 से 8 अक्टूबर तक श्वन्यप्राणी सप्ताहश् का भव्य आयोजन किया गया। सप्ताह भर चले इस आयोजन में शहर के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान बच्चों को वन्यजीवों के बारे में जागरूक करने और उनके प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए चिड़ियाघर का संपूर्ण भ्रमण कराया गया। इसके अलावा, छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को निखारने के लिए चित्रकला, क्विज (प्रश्न मंच), निबंध, बर्ड वॉचिंग और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सप्ताह के समापन पर विजेताओं एवं प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण-पत्र तथा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम के अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर, श्री मुनिष सिकरवार, प्रभारी चिड़ियाघर डॉ. उपेन्द्र सिंह यादव, चिड़ियाघर क्यूरेटर श्री गौरव परिहार सहित कई गणमान्य नागरिक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में प्राइमरी स्कूल 1 से 5 के छात्र प्रथम माधव शर्मा, द्वितीय आर्यष सिंह, तृतीय आरूष गुप्ता तथा प्रोत्साहन नविष्का गायकवाड को मिला। मिडिल 6 से 8 तक के छात्र प्रथम दृष्टि प्रजापति, द्वितीय ईशा प्रजापति एवं तृतीय इशिता गुप्ता रहीं तथा प्रोत्साहन पुरस्कार धनीराम कुशवाहा, दिव्या को दिया गया। हायर ग्रुप कक्षा 9 से 12 तक में प्रथम अक्षरा भीम वर्मा, द्वितीय राखी पाल, तृतीय अदिति गोखले रहीं तथा प्रोत्साहन पुरस्कार हार्दिक गौड को मिला।

सफलता की कहानीः फूलों ने कैसे बदल दी गजराज की जिंदगी, कमा रहे लाखों रुपए

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



सही जानकारी और तकनीक से उन्नत खेती की जाए तो फायदा ही फायदा होता है। जिले के गजराज सिंह ने आत्मा परियोजना के माध्यम से उन्नत खेती की जानकारी ली और शुरू किया फूलों की खेती का काम । सही दिशा में उठाया हुआ कदम उसे और उसके परिवार को उन्नति की ओर ले गया है। गजराज का कहना है कि सही जानकारी और सही तकनीक का उपयोग किया जाए तो खेती को लाभ का धंधा बनाया जा सकता है।
जिले के ग्राम भयापुरा निवासी किसान श्री गजराज सिंह कुशवाह ने आत्मा परियोजना के माध्यम से प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन लेकर खेती को लाभ का जरिया बनाया है। कभी पिता को कर्ज में देखकर चिंतित रहने वाले गजराज सिंह ने उन्नत खेती का रास्ता अपनाया और आज गुलाब की खेती से प्रति हेक्टेयर पाँच लाख रुपए से अधिक की आय अर्जित कर रहे हैं। गजराज सिंह बताते हैं कि उन्होंने बचपन से अपने पिता श्री रमाजीलाल कुशवाह को खेती करते और कर्ज की चिंता से जूझते देखा। पिता का हाथ बंटाते-बंटाते उन्हें खेती का अनुभव तो मिला, लेकिन मन में हमेशा यह सवाल रहता था कि क्या उनका जीवन भी कर्ज में ही गुजर जाएगा और क्या उनका परिवार सुखी जीवन नहीं जी पाएगा।

इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलो कांग्रेस, सीपीआई सीपीआई एम सीपीआई, समाजवादी पार्टी की संयुक्त पैदल मार्च महारैली संपन्न

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



इंडिया गठबंधन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर लिए गए निर्णय अनुसार लोकतंत्र, संविधान एवं मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के संकल्प को लेकर आज अचलेश्वर मंदिर चैंबर ऑफ़ कॉमर्स भवन से इंडिया गठबंधन के घटक दल कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई (एम), सीपीआई (एमएल), समाजवादी पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं ने शहर के प्रमुख मार्ग इंदरगंज चौराहा, नदी गेट, शिंदे की छावनी होते हुए फूलवाग स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा स्थल तक पहुंचा। पैदल मार्च का समापन मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता का पुतला दहन अपना विरोध दर्ज कर किया गया। इंडिया गठबंधन के पैदल मार्च रैली में अखिल भारतीय कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई(एम), सीपीआई(एमएल), समाजवादी पार्टी सहित इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के जिलाअध्यक्ष ,सचिव , विधायक, पार्षद एवं प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे। इंडिया गठबंधन के सदस्य भारतीय कांग्रेस पार्टी मध्य प्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य ने जानकारी देते हुए बताया कि लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च है और उसका सबसे महत्वपूर्ण अधिकार उसका वोट है। चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और निर्वाचन संस्थाओं की विश्वसनीयता लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े किसी भी सवाल पर इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी दल एकजुट होकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाएंगे। इंडिया गठबंधन का संयुक्त मार्च किसी एक दल का कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र और मतदाता के अधिकारों से जुड़े सवालों को लेकर इंडिया गठबंधन की सामूहिक आवाज का प्रतीक है लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की भागीदारी और उसके मत की स्वतंत्रता सर्वोपरि है। चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवालों पर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात जनता के सामने रखना व्यक्ति और राजनीतिक दलों का मौलिक अधिकार है।

नगर निगम का अतिक्रमण और स्वच्छता अभियान

मांस-मछली विक्रेताओं पर नगर निगम की कार्रवाई, 9 हजार रुपए के चालान किए

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के सख्त निर्देशों के बाद शहर में साफ-सफाई और निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के लिए नगर निगम का अमला लगातार एक्शन में है। इसी कड़ी में, जोन क्रमांक 21 के अंतर्गत आने वाले वार्ड 52 और वार्ड 54 में मांस-मछली विक्रेताओं के विरुद्ध विशेष चालानी कार्रवाई की गई। दुकानों का निरीक्षण और कुल 9,000 रुपये के चालान नगर निगम की टीम ने ईदगाह, कम्पू और गुड़ा-गुड़ी का नाका क्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान मांस-मछली विक्रेताओं द्वारा नियमों की अनदेखी करने पर कड़ी कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर वार्ड 54 में 5,500 रुपये और वार्ड 52 में 3,500 रुपये का चालान काटा गया, जिससे कुल 9,000 रुपये की राशि वसूल की गई। अधिकारियों ने सभी विक्रेताओं को चेतावनी दी कि वे नियमों का पालन करें। स्वच्छता मानकों का पालन करने की सख्त हिदायत नगर निगम के अधिकारियों ने संबंधित दुकानदारों और विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे मांस-मछली की बिक्री के दौरान निर्धारित स्वच्छता मानकों और निगम के नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। इसके साथ ही, सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार की गंदगी न फैलाने और कचरे व अपशिष्ट पदार्थों का उचित एवं सुरक्षित निस्तारण करने की सख्त हिदायत दी गई। अधिकारियों की मौजूदगी में हुई कार्रवाई इस पूरी कार्रवाई के दौरान जोन 21 के क्षेत्रीय अधिकारी सत्येंद्र उपाध्याय, मदाखलत प्रभारी सत्येंद्र भदौरिया, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी (॥ह) रामचंद्र धौलपुरिया, क्षेत्र स्वास्थ्य अधिकारी (ाह) विजय कुमार और वार्ड 54 के स्वास्थ्य निरीक्षक (ह्वाह) अशोक कुमार सहित नगर निगम का पूरा अमला मौजूद रहा। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने शहर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ आगे भी इस तरह की नियमित कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं।



काली खेती: पहली बार परदे पर डराएंगे जैकी श्रॉफ

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ और शरद केलकर जल्द ही रूरल हॉरर फिल्म 'काली खेती' में नजर आने वाले हैं। मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है। इस प्रोजेक्ट में अभिनेत्री नेहा सरगम अहम भूमिका में होंगी।

कब रिलीज होगी फिल्म

मेकर्स ने अपकमिंग फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इसमें एक राक्षस ने अपने हाथ में लालटेन पकड़ी है। पोस्टर काफी डार्क और डरावना लग रहा है। पोस्ट के बैकग्राउंड में जो म्यूजिक है वह भी काफी रोमांचक लग रहा है। पोस्टर के ऊपर लिखा है 'सिनेमाघरों में 23 अक्तूबर को रिलीज होगी।' पोस्टर को शेयर करते हुए जैकी श्रॉफ ने कैप्शन में लिखा, 'रोशनी बुझने न देना, खेती जागने वाली है।'

कौन हैं फिल्म के निर्देशक

फिल्म के निर्देशक और लेखक हारिस इमतियाज खान हैं। इसे ब्लैक कैनवस स्टूडियो के बैनर तले बनाया जा रहा है। सना खान इसकी निर्माता हैं। इसमें वीरेंद्र सक्सेना और शक्ति चौधरी भी अहम भूमिकाओं में होंगे।

इस फिल्म से हो सकता है क्लैश

अक्तूबर में कई बड़ी फिल्में रिलीज हो रही हैं। इनमें अजय देवगन की 'दृश्यम 3', आयुष्मान खुराना की 'उड़ता तीर', रश्मिका-विजय की 'रणबाली', यामी गौतम की 'नई नवेली' और 'पहला प्यार दूसरी बार' शामिल हैं। 'काली खेती' का टकराव 'पहला प्यार दूसरी बार' से होने वाला है। यह फिल्म भी 23 अक्तूबर को रिलीज हो रही है।

फिल्म को लेकर बोले निर्देशक

फिल्म को लेकर निर्देशक खान ने कहा, 'मेरे लिए 'काली खेती' का मतलब है हॉरर के नजरिए से खेती को देखना। ऐसी चीज जो मैंने पहले कभी नहीं देखी थी। कुछ ऐसा जो नया, रोमांचक और साथ ही बहुत परेशान करने वाला भी लगा। यह फिल्म समाज का आईना है, बस इसकी परछाईं एक डरावनी और काल्पनिक दुनिया में दिखती है। कभी-कभी यह दुनिया समझ में नहीं आती लेकिन हमेशा अजीब तरह से जानी-पहचानी लगती है। शायद यही असली हॉरर है।'



विद्या बालन, आर. बाल्की के साथ फिर कर रही हैं वापसी

नई तमिल फिल्म की शूटिंग शुरू

विद्या बालन एक बार फिर फिल्ममेकर आर. बाल्की के साथ काम करने जा रही हैं। दोनों एक नई तमिल फिल्म के लिए साथ आए हैं और फिल्म पर काम शुरू हो चुका है। गौरतलब है कि वर्ष 2009 में रिलीज हुई फिल्म पा के बाद यह विद्या बालन और आर. बाल्की की पहली तमिल फिल्म होगी। अपने सोशल मीडिया के जरिये अपने दर्शकों से इसकी जानकारी साझा करने के उद्देश्य से विद्या बालन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह हाथ में स्क्रिप्ट लिए कुर्सी पर बैठी नजर आ रही हैं। चश्मा लगाए और लंबी चोटी में उनका लुक काफी सिंपल दिखाई दे रहा है। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा है, आर. बाल्की के साथ नई तमिल फिल्म, नई शुरुआत। इसके साथ दिल का इमोजी लगाकर उन्होंने अपनी बात खत्म की है लेकिन उनकी इस पोस्ट से साफ है कि उन्होंने अपनी नई तमिल फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। हालांकि विद्या ने अभी फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की है, लेकिन इतना तय है कि आर. बाल्की के साथ उनका दोबारा काम करना जरूर खास है। इससे पहले दोनों ने पा में साथ काम किया था, जो 2009 में रिलीज हुई थी।



वर्कफ्रंट की बात करें तो विद्या बालन इसी महीने 15 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही रजनीकांत स्टारर जेलर 2 में नजर आनेवाली हैं। फिल्म में वह कांता का किरदार निभा रही हैं। नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म सन पिक्चर्स की प्रस्तुति है। इसके अलावा विद्या बालन एक बार फिर अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। अनीस बज्मी के निर्देशन में बन रही इस अनटाइटल्ड कॉमेडी फिल्म में राशी खन्ना भी हैं। फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका केरल शेड्यूल पूरा हो चुका है। फिलहाल नई तमिल फिल्म के साथ विद्या बालन के पास इस समय अलग-अलग भाषाओं और जॉनर की कई फिल्में हैं। ऐसे में आर. बाल्की के साथ उनकी दोबारा जोड़ी को लेकर अब फैंस की निगाहें इस नए प्रोजेक्ट पर जम गई हैं।



क्या ओटीटी पर डेब्यू करेंगे साउथ के मेगास्टार चिरंजीवी

इस शो में आ सकते हैं नजर कई बड़े कलाकार इन दिनों बड़े पर्दे से ओटीटी का रुख कर रहे हैं। इसमें नया नाम चिरंजीवी का जुड़ने वाला है। खबर है कि मेगास्टार ओटीटी पर डेब्यू करने को तैयार हैं। बताया जाता है कि चिरंजीवी नेटफ्लिक्स के लिए एक सेलिब्रिटी टॉक शो के साथ अपना डिजिटल डेब्यू करने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता और प्लेटफॉर्म के बीच बातचीत आगे बढ़ चुकी है। डील लगभग फाइनल हो गई है। शो में दिखेगा चिरंजीवी का सफर हालांकि इस मामले को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। अगर ये डील फाइनल होती है तो दर्शकों को भारतीय सिनेमा में चिरंजीवी के दशकों लंबे सफर की झलक मिल सकती है। इस प्रोजेक्ट में उनके जीवन और करियर के उन पहलुओं को भी दिखाए जाने की उम्मीद है, जिनके बारे में उन्होंने सार्वजनिक रूप से बहुत कम बात की है।

किस तरह का शो होस्ट करेंगे चिरंजीवी?

गल्ट के मुताबिक ऐसी चर्चा है कि नेटफ्लिक्स सेलिब्रिटीज पर आधारित एक टॉक शो बना रहा है, जिसमें चिरंजीवी मुख्य भूमिका में होंगे। इस प्रोजेक्ट को मल्टी-एपिसोड पॉडकास्ट-स्टाइल सीरीज के तौर पर प्रमोट किया जा रहा है। इसमें अभिनेता अपनी निजी जिंदगी, फिल्मी करियर और इंडस्ट्री में अपने लंबे सफर के अनुभवों के बारे में बात कर सकते हैं। बताया जाता है कि 150 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके चिरंजीवी को अपनी जिंदगी पर पारंपरिक डॉक्यूमेंट्री के बजाय बातचीत वाले पॉडकास्ट का आइडिया ज्यादा पसंद आया है। इससे उन्हें दर्शकों से सीधे जुड़ने और उन विषयों पर चर्चा करने का मौका मिलेगा जो ज्यादातर लोगों की नजर में नहीं आए हैं।

शो में क्या होगा खास?

यह सीरीज चिरंजीवी के करियर के कई पड़ावों को कवर कर सकती है। सिनेमा में उनके शुरुआती दिनों से लेकर तेलुगु सिनेमा के सबसे बड़े स्टार बनने तक को कवर किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेता अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्मों, इंडस्ट्री की चुनौतियों, बॉक्स-ऑफिस के उतार-चढ़ाव, साथी कलाकारों के साथ अपने रिश्तों और राजनीति में अपनी एंट्री के बारे में बात कर सकते हैं। बातचीत में उनके दशकों लंबे करियर की निजी कहानियों और अनुभवों के भी शामिल होने की उम्मीद है।

बेटी तैयार कर रही टॉक शो

खबर है कि इस शो को तेलुगु भाषी क्षेत्रों से बाहर के दर्शकों के लिए भी तैयार किया जा रहा है। काफी चर्चा है कि चिरंजीवी की बेटी सुष्मिता कोनिडेला अपने बैनर 'गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स' के तहत इस टॉक शो को तैयार कर रही है। उन्होंने पहले फिल्म और वेब-सीरीज प्रोजेक्ट्स पर काम किया है। हालांकि प्लेटफॉर्म और अभिनेता ने अभी तक शो के टाइटल, फॉर्मेट, बजट या रिलीज की तारीख के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

एआई के दुरुपयोग पर भड़के जूनियर एनटीआर

तेलुगु स्टार जूनियर एनटीआर ने राज्य सरकारों और भारत सरकार से एआई के गलत इस्तेमाल के खिलाफ कड़े कदम उठाने और सख्त नियम लागू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह उन लोगों के खिलाफ हरसंभव कानूनी कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने उनकी फिल्म 'देवरा' के गाने 'चुट्टामल्ले' का मॉर्फ्ड वीडियो बनाया है और फैला रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे मॉर्फ्ड वीडियो पर एक्टर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शरारती तत्वों को लताड़ते हुए लिखा कि घिनौना, बीमार और बेशर्म। उन्होंने कहा कि एक ऐसे देश में जहां महिलाओं को मां और देवी के रूप में पूजा जाता है, जहां 'मातृदेवो भव' सिर्फ एक कहावत नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति का हिस्सा है, वहां कुछ लोग इतने नीचे गिर गए हैं कि वे एआई का इस्तेमाल करके किसी महिला का अनादर कर रहे हैं। एआई का इस्तेमाल करके ऐसी घिनौनी चीज बनाना शब्दों से परे शर्मनाक है। उन्होंने लिखा, 'इस मॉर्फ्ड 'चुट्टामल्ले' वीडियो के पीछे के घटिया लोगो, मैं तुममें से किसी को नहीं बख्शूंगा। मैं इसे बनाने वालों और इसे फैलाने वालों के खिलाफ हरसंभव कानूनी कार्रवाई करूंगा। जूनियर एनटीआर ने अन्य नेटिजन्स से भी पुरजोर अपील की कि वे ऐसे कंटेंट को न देखें, न शेयर करें और न ही उस पर कोई प्रतिक्रिया दें। उन्होंने लिखा कि कृपया ऐसे कंटेंट को न देखें, न शेयर करें और न ही उस पर कोई प्रतिक्रिया दें।



'हनुमान अंश' जैसी छोटे बजट की फिल्मों पर बोलीं तमन्ना भाटिया

एक तरफ 'हनुमान अंश' जैसी फिल्म दर्शकों को अपनी ओर खींच रही है, तो दूसरी तरफ छोटे बजट में बनी 'ऑब्सेशन' भी अपनी जगह बनाई। सिनेमा में आ रहे इस बदलाव को तमन्ना भाटिया भी महसूस करती हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, अब दर्शकों की पसंद को किसी एक जॉनर या फॉर्मूले में बांधकर नहीं देखा जा सकता।

फिल्में सिर्फ क्राफ्ट से नहीं चलतीं

कम बजट की फिल्मों पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहां जॉनर मायने नहीं करता। दुनियाभर में एक तरफ 'हनुमान अंश' भी काम कर रही है और दूसरी तरफ 'ऑब्सेशन' भी। ये फिल्में बहुत छोटे बजट में बनी हैं। मुझे लगता है कि पिछले कुछ समय में फिल्मों के क्राफ्ट पर बहुत ज्यादा जोर दिया गया है। लेकिन सिनेमा के असली काम पर उतना ध्यान नहीं दिया गया। असली काम यह है कि आप दर्शक को एक दुनिया में लेकर जाएं और उसे कुछ खास महसूस कराएं।'

इमोशंस फिल्मों में वापस आ रहे हैं

वह आगे कहती हैं, 'हम भावनात्मक पहलू को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इंसानी भावनाएं बहुत सामान्य होती हैं, जो हम सबमें एक जैसी हैं। मुझे लगता है कि वही इमोशंस फिल्मों में वापस आ रही हैं और वे फिल्में चल रही हैं। हमें यह देखना होगा कि अगर ये फिल्में चल रही हैं तो क्यों चल रही हैं। यह हमारे लिए सीखने का मौका भी होगा। 'वन' में भी जो भक्ति का भाव है, उसे पूरी ईमानदारी से तलाशा गया है।'





खुद को खूबसूरत नहीं मानती थीं हरलीन सेठी : बोलीं- 'ब्रोकन' ने बदली जिंदगी

रिलेटेबल चेहरा, दमदार अदाकारी और लगातार मेहनत के दम पर हरलीन सेठी ने अपने हर किरदार से अलग पहचान बनाई है। 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल', 'कोहरा', 'बैड कॉप' और 'डॉक्टर्स' जैसे प्रोजेक्ट्स के बाद अब वह 'शक' में नजर आ रही हैं। अपने किरदारों से हरलीन ने साबित किया है कि वह खुद को सिर्फ नायिका की परंपरिक छवि तक सीमित नहीं रखना चाहती। खास बातचीत में हरलीन ने अपने बचपन, अभिनय की शुरुआत, 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' की सफलता और रिजेक्शन के अनुभवों पर बात की।

बचपन में कैसी थीं, अभिनय का ख्याल कब आया

मैं बचपन से ही बहुत मस्तमौला थी। खेल-कूद और दूसरी गतिविधियों में काफी रुचि थी। हालांकि, अभिनय करने का कोई प्लान नहीं था। मुझे सिर्फ इतना पता था कि परफॉर्मिंग आर्ट्स में कुछ करना है। मुझे संगीत में भी बहुत रुचि थी। याद है, बचपन में 'कल हो न हो' की कैसेट आई थी। मैंने उसे पूरे दिन बजाया था।

'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' आपके लिए कितना बड़ा मोड़ था?

जवाब: यह मेरे लिए बहुत बड़ा मोड़ था। लोगों ने समीरा के किरदार से बहुत जुड़ाव महसूस किया। पहली बार मैंने लोगों को अपनी खूबसूरती और आवाज की तारीफ करते सुना। मैंने कभी खुद को उस नजर से नहीं देखा था। मुझे लगता था कि मैं खूबसूरत नहीं हूं, क्योंकि मेरी मां बहुत खूबसूरत हैं और मेरा भाई भी उन पर गया है। 'ब्रोकन' के बाद पहली बार मुझे लगा कि शायद मैं भी खूबसूरत हूं।

क्या आपको लगा था कि 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' इतना बड़ा बनेगा?

जवाब: बिल्कुल नहीं। हमने बहुत सच्चाई और प्यार से इसे बनाया था, लेकिन यह कल्ट बन जाएगा, इसकी कल्पना नहीं की थी। आज भी रोमांटिक सीरीज की बात होती है तो 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' का जिक्र होता है। शो दोबारा ट्रेंड हुआ, लोगों ने इसके किरदारों और संगीत को फिर से पसंद किया। मुझे उन लड़कियों की तस्वीरें मिलीं, जिन्होंने समीरा वाला टैटू तक बनवाया था।

'ब्रोकन' के बाद आपने 'कोहरा' में मुख्य भूमिका के बजाय महत्वपूर्ण किरदार क्यों चुना?

मेरे लिए अच्छी कहानी और अच्छे फिल्ममेकर्स के साथ काम करना ज्यादा जरूरी था। 'कोहरा' के ऑडिशन के लिए जो सीन मुझे मिले, उन्हें पढ़कर ही लगा कि यह बहुत अच्छा प्रोजेक्ट है। सुदीप शर्मा सर के साथ काम करने का मौका भी मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। उन्होंने मुझसे कहा था, 'हरलीन, बस मुझ पर भरोसा रखो और इसे करो।' मैंने उन पर भरोसा किया और 'कोहरा' मेरे लिए एक बड़ा मोड़ बन गया।

'शक' के लिए हां कहने की सबसे बड़ी वजह क्या थी?

रॉसिल डिसिल्वा सर का फोन आया था। उन्होंने श्वेता के किरदार के बारे में बताया। मैं उस समय जुहू सर्कल के सिग्नल पर कार में थी। जैसे ही उन्होंने किरदार के बारे में बताया, मुझे लगा कि इसमें बहुत सारी परतें हैं। वह बचपन से नायिका की सबसे अच्छी दोस्त है, उसका नायिका के पति से रिश्ता है, बच्ची के गायब होने में भी उसका हाथ है और वह अपने पति से भी सच छिपा रही है। इतना जटिल किरदार सुनते ही मैंने कहा- सर, मैं यह करना चाहती हूं।

'शक' के लिए मिला सबसे अच्छा कॉम्प्लिमेंट क्या रहा?

लोगों ने मेरी परफॉर्मेंस की तारीफ तो की ही, लेकिन मेरे लिए यह भी खास था कि लोगों ने कहा कि मैं स्क्रीन पर बहुत खूबसूरत लग रही हूं। मैंने आपको बताया कि मैंने कभी खुद को उस तरह नहीं देखा था, इसलिए यह बात मेरे लिए मायने रखती है। इसके अलावा मेरा और सुमित व्यास का जोक वाला एक सीन है, जिसे बहुत प्यार मिल रहा है। मेरे डीएम उस सीन की तारीफ से भरे हुए हैं।

किस तरह के किरदार करना चाहती हैं

मेरी कोशिश रहती है कि ऐसे किरदार करूं, जिन्हें लोग अक्सर समझ नहीं पाते। मैं उन्हें सहानुभूति के साथ निभाना चाहती हूं। चाहे समीरा हो, 'कोहरा' की निमरत हो या 'शक' की श्वेता- इन सभी किरदारों में एक बारीक रेखा है। मुझे ऐसे किरदारों को समझना और निभाना पसंद है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को बस्तर दशहरा पर्व में शामिल होने का मिला आमंत्रण

दशहरा हमारी जनजातीय संस्कृति, आस्था और सहभागिता की अनुपम विरासत: विष्णुदेव साय

एक सत बुलेटिन, रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज शाम राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप के नेतृत्व में बस्तर दशहरा समिति, जगदलपुर के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री साय को विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व 2026 में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया। इस अवसर पर बस्तर की समृद्ध जनजातीय परंपरा के अनुरूप प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को पारंपरिक पागा पहनाकर उनका सम्मान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने आत्मीय आमंत्रण के लिए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए बस्तर दशहरा के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि बस्तर की सदियों पुरानी आस्था, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और सामूहिक सहभागिता की अनुपम विरासत है। इस पर्व में बस्तर की सांस्कृतिक आत्मा और सामाजिक समरसता की सुंदर अभिव्यक्ति दिखाई देती है। हमारी सरकार बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बस्तर दशहरा की ऐतिहासिक



पृष्ठभूमि, इससे जुड़े धार्मिक अनुष्ठानों, परंपराओं तथा इस वर्ष के आयोजन की तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा लगभग 75 दिनों तक चलने वाला विशिष्ट सांस्कृतिक और धार्मिक पर्व है। हरेली अमावस्या से इसकी पारंपरिक शुरुआत होती है और विभिन्न पूजा-विधानों एवं अनुष्ठानों के साथ यह पर्व आश्विन शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तक चलता है। इस वर्ष 12 अगस्त को पाटजात्रा पूजा विधान के साथ बस्तर दशहरा पर्व का शुभारंभ हुआ। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 अक्टूबर को काछनगादी पूजा, 18 अक्टूबर को बेल पूजा तथा 23 अक्टूबर को मुरिया दरबार का आयोजन किया जाएगा।

बस्तर दशहरा के विभिन्न अनुष्ठानों में अंचल के अलग-अलग समुदायों की परंपरागत और महत्वपूर्ण भागीदारी रहती है। बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट परंपराओं के कारण देश-दुनिया में अलग पहचान रखता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि बस्तर में दशहरा भगवान श्रीराम की रावण पर विजय के उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि बस्तर अंचल की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के प्रति आस्था और आराधना के महापर्व के रूप में मनाया जाता है। बस्तर दशहरा की परंपरा को ऐतिहासिक मान्यताओं में चालुक्य नरेश पुरुषोत्तम देव से भी जोड़ा जाता है। मान्यता है कि पुरुषोत्तम देव ने पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर की यात्रा की थी, जहां उन्हें 'रथपति' की उपाधि प्राप्त हुई। इसी ऐतिहासिक परंपरा के साथ बस्तर दशहरा में रथ का विशेष महत्व जुड़ा हुआ है। बस्तर दशहरा में मांझी, चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन सहित विभिन्न समुदायों और समाज के अलग-अलग वर्गों की जिम्मेदारियां परंपरागत रूप से निर्धारित हैं। धार्मिक अनुष्ठानों से लेकर रथ निर्माण और आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं तक स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी इसकी विशेषता है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही सामूहिक सहभागिता की यह परंपरा बस्तर दशहरा को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समन्वय का अनूठा उदाहरण बनाती है। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा अपनी भव्य रथयात्रा, विशिष्ट पूजा-अनुष्ठानों, जनजातीय परंपराओं और लोक संस्कृति के कारण देश-विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग इस ऐतिहासिक आयोजन और बस्तर की जीवंत संस्कृति को करीब से देखने के लिए पहुंचते हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित



एक सत बुलेटिन, भिण्ड

जिला कलेक्टर ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में टीकाकरण कवरेज की विस्तृत समीक्षा कर टीकाकरण कार्यों में प्रगति लाने और एक सप्ताह के भीतर संबंधित पोर्टल पर डेटा अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गलत या झूठे आंकड़ों की प्रविष्टि अनैतिक आचरण तथा गंभीर लापरवाही है, इसके लिए मेडिकल अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही के लिए मेडिकल काउंसिल को पत्र लिखा जाएगा। उन्होंने टीकाकरण में खराब प्रदर्शन करने वाली एएनएम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने असंचारी रोगों में 30+ का विशेष कैंप लगा कर पंजीयन बढ़ाने और एक्सरे स्क्रीनिंग बढ़ाने ने निर्देश दिए। कलेक्टर ने वेक्टर जनित रोगों, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, शिशु मृत्यु, आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति, एनआरसी भर्ती और डिस्चार्ज दर, एनीमिया प्रबंधन, इत्यादि की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की भी समीक्षा की और 100+ दिवसों से लंबित शिकायतों को तत्काल बंद करवाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ, सीएमएचओ, सिविल सर्जन, कार्यक्रम अधिकारी, बीएमओ, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक और ब्लॉक कम्युनिटी मोबलाइजर उपस्थित थे।

नक्सल प्रकरणों की वापसी के लिए प्रक्रिया में तेजी लाएं, 15 दिनों में जिला स्तरीय समितियों की बैठक करें : उप मुख्यमंत्री



एक सत बुलेटिन, रायपुर

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने आज महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर में नक्सल प्रकरणों की वापसी, आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों तथा नक्सल हिंसा से प्रभावित जवानों एवं नागरिकों के परिवारों को दी जा रही सहायता की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नक्सल प्रकरणों में निरुद्ध एवं न्यायालयों में प्रक्रियाधीन लोगों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जाए। गंभीर अपराध, जनहानि तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) से संबंधित मामलों को छोड़कर अन्य पात्र प्रकरणों की वापसी के लिए निर्धारित प्रक्रिया को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रकरणों की वापसी की कार्रवाई नियमानुसार और समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाई जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में सभी जिलों से प्राप्त प्रकरण वापसी संबंधी आवेदनों की जिलावार एवं प्रकरणवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक प्रकरण की वर्तमान स्थिति और अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने प्रकरण वापसी के लिए प्रस्तावित संपूर्ण प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा करते हुए इसे जल्द से जल्द तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित जिलों में जिला स्तरीय प्रकरण वापसी समितियों की बैठक अगले 15 दिनों के भीतर आयोजित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही राज्य स्तरीय समिति की बैठक 5 नवंबर तक संपन्न कराने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने अन्य राज्यों में आत्मसमर्पण करने वाले छत्तीसगढ़ के निवासियों को वापस राज्य में लाने की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे व्यक्तियों की वापसी के लिए निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया का पालन किया जाए। राज्य लौटने वाले आत्मसमर्पित व्यक्तियों को पुनर्वास केंद्रों में रखकर उनकी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप आजीविकापरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में आत्मनिर्भर जीवन व्यतीत कर सकें। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अब तक लगभग 900 पुनर्वासितों के राज्य वापस लौटने पर हर्ष व्यक्त किया। प्रशिक्षण किट उपलब्ध कराने के साथ उनके आवश्यक पहचान पत्र एवं राशन कार्ड बनवाने के निर्देश दिए।

अवैध रेत परिवहन करते मैसी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

कटनी। अवैध रेत खनन एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बरही पुलिस ने ग्राम झिरिया क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए रेत से भरी मैसी कंपनी की ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के बाद थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया है। पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं एसडीओपी विजयराघवगढ़ वीरेंद्र धार्वे के मार्गदर्शन में अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 6 अक्टूबर को बरही पुलिस क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम झिरिया क्षेत्र से अवैध रूप से रेत का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान लाल रंग का मैसी ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत से भरा हुआ मिला। वाहन चालक रेत परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने पंचों एवं गवाहों की मौजूदगी में ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया। पुलिस ने बताया कि अवैध खनन एवं रेत परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार चौबे, सहायक उप निरीक्षक दिनेश सिंह बघेल, आरक्षक विवेक श्रीवास्तव, विवेक यादव एवं सोनू लाल आर्मो की विशेष भूमिका रही।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना कार्य के लिए अंतिम दिवस का प्रशिक्षण

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



भारत की जनगणना 2027 का द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना का कार्य फरवरी 2027 में किया जाना है। जनगणना कार्यों को समय-सीमा में संपादित कराने के लिए राज्य शासन के अधिकारियों का विभिन्न स्तर पर अत्यंत आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है। इस अनुक्रम में जनगणना 2027 के द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना के कार्य के लिए 02 दिवसीय द्वितीय बैच के अंतिम दिवस का प्रशिक्षण कार्यक्रम समय प्रातः 09:30 बजे से सायं 6:00 बजे तक जिला स्तर पर कलेक्ट्रेट सभागार भिण्ड में राज्य स्तर द्वारा नियुक्त प्रशिक्षक श्री भूपेन्द्र श्रीवास्तव, श्री भानुप्रताप सिंह द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अंत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड एवं अतिरिक्त प्रमुख जनगणना अधिकारी द्वारा प्रशिक्षण में जनगणना 2027 द्वितीय चरण के संबंध में दिशा निर्देश प्रदान किये गये। उक्त जनगणना 2027 द्वितीय चरण के द्वितीय बैच के अंतिम दिवस के प्रशिक्षण में सी.एम.ओ. एवं नगरीय चार्ज जनगणना अधिकारी समस्त, उनके जनगणना लिपिक एवं चार्ज पर नियुक्त तकनीकि सहायकों ने उक्त प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस में प्रथम दिवस का री-केप एवं शंका समाधान, पीई मोबाइल एप का परिचय (सेटअप और कार्यक्षमताएं), जनगणना की अवधारणाएं और परिभाषाएं, गणना किए जाने वाले व्यक्ति से पूछे जाने वाले प्रश्न 1 से 40 (डेटा गुणवत्ता पर केन्द्रित हो), पीई मोबाइल एप डेमो और अभ्यास, स्वगणना पोर्टल और प्रशासनिक अधिकारियों के दायित्व, जनसंख्या की गणना के लिए मीडिया और प्रचार गतिविधियां, प्रिंटिंग, लॉजिस्टिक्स और किट सामग्री का प्रबंधन, चरण दो के लिए प्रशिक्षण ढांचा-दिशा निर्देश, फीडबैक अंत में द्वितीय बैच का समापन किया। अतः जनगणना 2027 द्वितीय चरण के द्वितीय बैच के अंतिम दिवस में उपरोक्त समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

भिण्ड में मिशन वात्सल्य कार्यशाला: एनसीसी कैडेट्स को बाल संरक्षण कानून की जानकारी

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

कलेक्टर भिण्ड के मार्गदर्शन व जिला कार्यक्रम अधिकारी महेंद्र सिंह अंब के निर्देशन में मिशन वात्सल्य के तहत आईटीआई परिसर में प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग, 30 एमपी बटालियन एनसीसी और स्थानीय शिक्षण संस्थाओं के अधिकारी व कैडेट उपस्थित रहे। बाल संरक्षण कानून पर विस्तृत चर्चा कार्यक्रम के पहले चरण में बाल संरक्षण अधिकारी अजय सक्सेना ने किशोर न्याय अधिनियम और पोक्सो अधिनियम पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम आयु का हर व्यक्ति कानून में बालक माना जाता है। अधिनियम में दो श्रेणियां हैं–देखरेख व संरक्षण की जरूरतमंद बालक और विधि विरोधी बालक। विधि विरोधी बालकों के लिए सुधारात्मक प्रक्रिया अपनाई जाती है,



न कि दंडात्मक। ऐसे बालकों को बाल संप्रेक्षण गृह या विशेष गृह में संरक्षण दिया जाता है, जहां पुनर्वास के प्रयास किए जाते हैं। बाद में पुलिस चरित्र सत्यापन में बाल्यावस्था के कृत्य की जानकारी नहीं दी जाती, जिससे उनके करियर पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता देखरेख की जरूरतमंद बालकों के लिए शिशु गृह, बालगृह और खुला आश्रय गृह संचालित हैं, जहां रहने, खाने, स्वास्थ्य और शिक्षा की व्यवस्था की जाती है। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस 11 अक्टूबर के उपलक्ष्य में बालिका सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्राध्यापक दीक्षा साहू, परियोजना अधिकारी सुलक्षणा चौरसिया और रजनी करौलिया ने माहवारी स्वच्छता, पोषण और स्वास्थ्य विषयों पर जानकारी दी। कार्यक्रम में भ्रांतियों को दूर करने और स्वस्थ रहने के तरीकों पर चर्चा की गई। सभी बालिकाओं को स्वच्छता किट प्रदान की गई। पोक्सो, किशोर न्याय अधिनियम और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी भी दी गई।

अग्रवाल बिल्डिंग पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी, दोनों तरफ का रास्ता बंद

कटनी। शहर की चर्चित अग्रवाल बिल्डिंग को गिराने की कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। नगर निगम का अमला मौके पर पहुंच चुका है और सुरक्षा के मद्देनजर बिल्डिंग के दोनों ओर से रास्ता बंद कर दिया गया है। मौके पर निगम की टीम द्वारा कार्रवाई से पहले आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। किसी प्रकार की दुर्घटना अथवा जनहानि न हो, इसे देखते हुए आसपास की आवाजाही रोक दी गई है। वहीं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए रंगनाथ थाना प्रभारी सिद्धार्थ राय सहित पुलिस बल भी मौके पर मौजूद है। पुलिस



द्वारा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था संभाली जा रही है और लोगों को कार्रवाई वाले क्षेत्र से दूर रखा जा रहा है। मौके पर निगम और पुलिस की मौजूदगी अग्रवाल बिल्डिंग को गिराने की कार्रवाई को लेकर नगर निगम और पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। दोनों तरफ रास्ता बंद होने से क्षेत्र में यातायात भी प्रभावित हुआ है। निगम अमले की मौजूदगी के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुटने लगी है। फिलहाल निगम और पुलिस का अमला मौके पर मौजूद है तथा बिल्डिंग गिराने से संबंधित तैयारियां जारी हैं। कार्रवाई शुरू होने को लेकर क्षेत्र में लोगों की नजरें टिकी हुई हैं।

देशभर में शुरू हुई बुकिंग, जानिए कीमत और फीचर्स

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने लॉन्च की नई XR 300 L और XR 300 रैली

एक सत बुलेटिन, **नई दिल्ली/बेंगलुरु:**

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज अपनी दो नई और बहुप्रतीक्षित एडवेंचर मोटरसाइकिलों–होंडा एक्सआर300 एल और होंडा एक्सआर300 रैली की कीमतों की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इसके साथ ही इन दोनों बाइक्स की बुकिंग भी पूरे देश में शुरू कर दी गई है। जुलाई 2026 में एचएमएसआई के विस्तारित 10-प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के हिस्से के रूप में पेश की गई ये दोनों मोटरसाइकिलें कंपनी की 'मेक-इन-इंडिया फॉर द वर्ल्ड' प्रतिबद्धता को और मजबूत करती हैं। ये बाइक उन राइडर्स के लिए एक बेहतरीन विकल्प हैं जो शहर की रोजमर्रा की सड़कों से लेकर मुश्किल ऑफ-रोड रास्तों पर भी रोमांचक प्रदर्शन चाहते हैं। कीमतें और वेरिएंट (बेंगलुरु एक्स-शोरूम, 5 अक्टूबर 2026 से प्रभावी) होंडा एक्सआर300 एलः 1,83,000 (यह रोज़मर्रा की उपयोगिता और ट्रेल राइडिंग का बेहतरीन संतुलन पेश करती है।) होंडा एक्सआर300 रैलीः ?2,08,000 (यह रैली रेसिंग विरासत से प्रेरित है और लंबी दूरी की टूरिंग के लिए आरामदायक सफर देती है।) होंडा एक्सआर300 एल - रोज़मर्रा की राइडिंग और ऑफ-रोड



एडवेंचर के लिए तैयार होंडा एक्सआर300 एल को उन राइडर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो रोजाना आने-जाने के साथ-साथ वीकेंड पर ऑफ-रोड इलाकों को एक्सप्लोर करना चाहते हैं। इसका हल्का और फुर्तीला डिज़ाइन कीचड़, बजरी, रेत और पथरीले रास्तों पर आत्मविश्वास के साथ राइडिंग करने में मदद करता है। यह बाइक एक्सट्रीम रेड और शास्ता व्हाइट इन दो रंगों में उपलब्ध होगी। होंडा की रैली विरासत से प्रेरित इस बाइक को लंबी दूरी की टूरिंग और अलग-अलग तरह के इलाकों में राइडिंग का शौक रखने वालों के लिए बनाया गया है। टूरिंग-केंद्रित आराम, बेहतरीन विंड प्रोटेक्शन और रैली-प्रेरित स्टाइल के साथ यह मोटरसाइकिल ऑन-रोड और ऑफ-रोड दोनों परिस्थितियों में लंबी यात्राओं के लिए पूरी तरह तैयार है। यह मॉडल एक्सट्रीम रेड और टू ब्लैक रंगों में उपलब्ध होगा। ये दोनों मॉडल देश भर में केवल अधिकृत होंडा बिगविंग डीलरशिप के माध्यम से ही उपलब्ध होंगे। ग्राहक मात्र ?5,000 की बुकिंग राशि के साथ अपनी बुकिंग शुरू कर सकते हैं। बुकिंग एचएमएसआई की आधिकारिक वेबसाइट और होंडा बिगविंग डीलर नेटवर्क के जरिए कराई जा सकती है।

'नर्सिंग डिजिटलिया' पुस्तिका एवं 'गर्भ संस्कार-नर्सेस प्रशिक्षण' बुकलेट का किया विमोचन

नर्सिंग सेवाओं में नवाचार और तकनीक के साथ संस्कारों का समावेश जरूरी: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सेज यूनिवर्सिटी भोपाल में 11 वीं राज्य स्तरीय ञ्झ्ढ्ढ कांफ्रेंस-2026 का उद्घाटन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गर्भ संस्कार और नर्सिंग में इनोवेटिव टेक्नोलॉजी जैसे दो महत्वपूर्ण विषय इस सम्मेलन को विशेष बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि बच्चों में अच्छे संस्कार बचपन से ही विकसित किए जाएं, तो वे बड़े होकर समाज के लिए महत्वपूर्ण संपत्ति बनते हैं। गर्भावस्था से ही मां और बच्चे के स्वास्थ्य और संस्कारों पर ध्यान देने से सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा मिलेगा और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भी मदद मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सम्मेलन में विशेषज्ञों द्वारा नर्सिंग क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर दिए जाने वाले व्याख्यान और विचारों को केवल सुनना ही नहीं, बल्कि उनका मनन कर अपने आचरण और व्यवहार में उतारना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि नर्सें अस्पताल और फील्ड में मरीजों के साथ संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य करें और अपने कार्य से एक आदर्श नर्स के रूप में पहचान स्थापित करें, ताकि लंबे समय तक उनके सेवा कार्यों को याद किया जाए। दो दिवसीय कांफ्रेंस में नर्सिंग शिक्षा, क्लीनिकल प्रैक्टिस, नवाचार एवं तकनीक से नर्सिंग सेवाओं को सशक्त बनाने पर होगा विमर्श 'रीडिफ़ाइनिंग क्लिनिकल प्रैक्टिसः एम्पावरिंग नर्सेस थ्रू इनोवेटिव टेक्नोलॉजी' थीम पर आयोजित दो दिवसीय कांफ्रेंस में नर्सिंग शिक्षा, क्लीनिकल प्रैक्टिस, नवाचार एवं तकनीक के माध्यम से नर्सिंग सेवाओं को सशक्त बनाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श होगा। पहले दिन गर्भ संस्कार, सम्मानजनक मातृ देखभाल, प्रसव की तैयारी में नर्सों की भूमिका सहित महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ व्यक्तित्व एवं नृत्य प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। दूसरे दिन वैज्ञानिक सत्रों में नर्सिंग क्षेत्र के समकालीन विषयों पर विशेषज्ञ प्रस्तुतियां देंगे और समापन सत्र में पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरण होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ऐसे प्रयास सुरक्षित मातृत्व और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सेज ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष एवं चांसलर श्री संजीव अग्रवाल को आधुनिक शैक्षणिक परिसर विकसित करने और शिक्षा के साथ मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों को जोड़ने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि श्री अग्रवाल की ऊर्जा और उद्यमशीलता से विद्यार्थियों को बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने 'नर्सिंग डिजिटलिया' स्मारिका एवं गर्भ संस्कार नर्सेस प्रशिक्षण बुकलेट का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में नर्सिंग एवं एलाइड हेल्थ निदेशक डॉ. बीनू कुशवाह सिंह, ञ्झ्ढ्ढ मध्यप्रदेश की अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) सुनीता लॉरेंस, राज्य सचिव प्रो. (डॉ.) जया बिजॉय, सहित अन्य पदाधिकारी एवं अतिथि उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत डुंगरिया के इमली चौक पर वर्षों से जमी गंदगी और कीचड़ से मिली निजात

■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**



जनपद पंचायत बैरसिया के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डुंगरिया के इमली चौक मेहर मोहल्ले में लंबे समय से गंदगी,कचरे और कीचड़ की समस्या से परेशान मोहल्ले वासियों को अब राहत मिली है। चौक परिसर में काफी लंबे समय से गंदा और बदबूदार पानी जमा रहता था,वहीं अब ग्राम पंचायत द्वारा आरसीसी कंक्रीट का कार्य कराकर समस्या का समाधान किया गया है। गौरतलब है कि इमली चौक पर गंदगी और जलभराव की समस्या को सोशल मीडिया के माध्यम से मामला प्रकाश लाया गया था इसके बाद जनपद पंचायत बैरसिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी देवेश सराठे ने मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुए ग्राम पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों को समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए थे।

सीईओ के निर्देशों को अतिशीघ्र पालन में लेकर ग्राम पंचायत डुंगरिया के सचिव खुमान सिंह मीणा ने मेहर मोहल्ला इमली चौक परिसर में आरसीसी कंक्रीट का कार्य कराया इससे वर्षों से चली आ रही गंदगी, कीचड़ और जलभराव की समस्या से मोहल्लेवासियों को राहत मिली है। समस्या का निराकरण होने के बाद स्थानीय रहवासियों ने राहत की सांस लेते हुए ग्राम पंचायत के सचिव खुमान सिंह मीणा के प्रति आभार व्यक्त किया। रहवासियों ने कहा कि लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान से चौक की स्थिति में सुधार हुआ है और आवागमन में भी सुविधा मिलेगी मोहल्ले वासियों ने समस्या को संज्ञान में लेकर समाधान की दिशा में कार्रवाई करने वाले जनपद पंचायत के अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत के सचिव खुमान सिंह मीणा की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया इसके साथ ही आगे भी ग्राम पंचायत में नए विकास कार्यों की उम्मीद व्यक्त की गई है।

सीहोर में विद्युत चोरी की जांच करने गई टीम से मारपीट एवं शासकीय कार्य में बाधा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल/सीहोर।**



मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सीहोर वृत्त अंतर्गत कंपनी की चेकिंग टीम के साथ अभद्र व्यवहार, मारपीट एवं शासकीय कार्य में बाधा डालने के मामले में थाना कोतवाली, सीहोर में 8 व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्युत चोरी की सूचना पर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की प्रबंधक जोन-2, सीहोर श्रीमती साधना कवरेती के नेतृत्व में विद्युत कंपनी की टीम जांच के लिए कंजर चौराहा, सीहोर पहुंची थीं। टीम द्वारा एक उपभोक्ता के विद्युत संयोजन की जांच की जा रही थी। इसी दौरान मौके पर उपस्थित जयप्रकाश, जयवंती एवं अन्य व्यक्तियों द्वारा विद्युत कंपनी की टीम के साथ अभद्र व्यवहार एवं मारपीट की गई। शिकायत के अनुसार, महिला कर्मचारी सुश्री प्रीति शुक्ला का गला दबाने का प्रयास किया गया तथा लाइन हेल्पर श्री राहुल चौहान के साथ मारपीट कर उनका हाथ मरोड़ दिया गया। आरोपितों द्वारा टीम के सदस्यों को ईंट-पत्थर से मारने का प्रयास भी किया गया। स्थिति बिगड़ने पर टीम ने 112 पर पुलिस को सूचना दी। शकायत के आधार पर थाना कोतवाली, सीहोर में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 132, 121(1), 296(बी), 115(2) एवं 3(5) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण में जयप्रकाश, करन सिलावट, सचिन सिलावट, दीपक, जयवंती, रानी, मीरा एवं आदित्य, सभी निवासी कंजर चौराहा, सीहोर को नामजद किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मारपीट, दुर्व्यवहार अथवा शासकीय कार्य में बाधा डालने की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। कंपनी ने सभी नियंत्रणकर्ता अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ऐसी घटनाओं में तत्काल पुलिस को सूचना देकर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करें। कंपनी ने मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी कहा है कि किसी भी अप्रिय स्थिति में स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस से आवश्यक सहयोग प्राप्त करें। साथ ही उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि विद्युत चोरी एवं अनधिकृत विद्युत उपयोग से दूर रहें तथा विद्युत जांच एवं विभागीय कार्यवाही में सहयोग करें।

पीएनजी समन्वय समिति के सत्यापन उपरांत ही एलपीजी सप्लाई बंद की जाए

भोपाल। पीएनजी कनेक्शन के संबंध में आयुक्त खाद्य श्री दिनेश जैन द्वारा सीजीडी(सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन) संस्थाओं को निर्देशित किया गया है कि कॉलोनियों में पीएनजी की सप्लाई सुचारू रूप से चालू होने के बाद पीएनजी समन्वय समिति द्वारा सत्यापन उपरांत ही संबंधित उपभोक्ता की एलपीजी सप्लाई बंद की जाएं, ताकि उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो। वर्तमान में भोपाल जिले में 4 सोसायटी जिसमें सागर लेक व्यू होम्स अयोध्या बायपास, सौम्या पार्क लैण्ड अवधपुरी, आकृति ग्रीन्स सलैया एवं कैनाल किंनशिप सलैया एलपीजी फ्री घोषित की गई है। इन कॉलोनियों में पीएनजी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। थिंक गैस कंपनी के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि जिन घरों में पीएनजी कनेक्शन पूर्व से उपलब्ध हैं।

दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग करना हम सभी का संवैधानिक दायित्व : कोहाडे मुख्य कारखाना प्रबंधक

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



पश्चिम मध्य रेलवे में राजभाषा हिंदी के प्रभावी एवं अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्यालय, जबलपुर के राजभाषा विभाग द्वारा 'राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह-2026' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह की अध्यक्षता तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री आशुतोष के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री एकनाथ मोहकर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान अखिल भारतीय स्तर के विराट हास्य कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इसमें बिलासपुर, भोपाल, कटनी, देवास एवं कोटा से आमंत्रित कवियों ने अपने गीतों, गजलों तथा हास्य-व्यंग्य की प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि रेलवे के कार्य का सीधा संबंध आम जनता से है। ऐसे में हमारी भाषा जितनी सरल, स्पष्ट और सहज होगी, हमारा संवाद उतना ही प्रभावी होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम मध्य रेलवे का संपूर्ण कार्यक्षेत्र 'क' क्षेत्र के अंतर्गत आता है, इसलिए यात्रियों को सूचना उपलब्ध कराने से लेकर कार्यालयीन एवं प्रशासनिक कार्यों तक सरल एवं सहज हिंदी का प्रयोग कार्यक्षमता को और अधिक प्रभावी बनाता है। समारोह में वर्षभर राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य करने के लिए सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल को 'अंतर कारखाना राजभाषा शील्ड-2025' से सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने कारखाना प्रतिनिधियों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। इसके साथ ही कारखाने के श्री मनोज कुमार सिंह, उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, श्री आशीष सिंह सेंगर, मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक तथा श्री जिनेन्द्र एवं सुश्री शिवानी, तकनीशियन, बोगी शॉप को भी राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

ई-दक्ष केंद्र भोपाल में कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम के अंतर्गत विभागीय कर्मचारियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

भोपाल। लोकसेवकों में सेवा भाव की संस्कृति को आत्मसात करने तथा लोक-केंद्रित प्रशासन की अवधारणा को विकसित करने के उद्देश्य से व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी के मार्गदर्शन में जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी, भोपाल द्वारा आज 8 अक्टूबर 2026 को ई-दक्ष केंद्र, भोपाल में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लोक अभियोजन संचालनालय, मध्यप्रदेश के उप संचालक, सहायक संचालक, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी, अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लोकसेवा में कर्तव्यनिष्ठा, सेवा भाव तथा नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। साथ ही प्रशासनिक कार्यों में संवेदनशीलता, उत्तरदायित्व एवं बेहतर सेवा-प्रदाय सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।



पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

■ एक सत बुलेटिन, **जबलपुर**

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के नयागांव, जबलपुर स्थित केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । टाटा पॉवर स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कंपनी के कर्मचारियों को योजना से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अभियंता (ज.क्षे.) एवं मुख्य महाप्रबंधक (प्रशिक्षण) श्री एस. के. गिरिया तथा उप प्रबंधक श्री के. बी. थापा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे । इस अवसर पर श्री एस. के. गिरिया ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मैदानी स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों को सौर ऊर्जा एवं योजना की तकनीकी तथा व्यावहारिक बारीकियों से अवगत कराना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 10 बैच में कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जाएगा । प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की गई है, ताकि सभी संबंधित कर्मचारी योजना के विभिन्न प्रावधानों, प्रक्रियाओं एवं कार्यप्रणाली से भली-भांति परिचित हो सकें ।



राज्यरानी एक्सप्रेस को पूर्णतः निरस्त न करने की मांग, दैनिक यात्रियों की सुविधा के लिए भोपाल तक संचालन का सुझाव

भोपाल। बीना-आगासौद के मध्य रेल कार्य के चलते गाड़ी संख्या 22161/22162 राज्यरानी एक्सप्रेस के 9 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2026 तक प्रस्तावित निरस्तीकरण को लेकर दैनिक यात्रियों की समस्या को देखते हुए कमलेश सेन ने जनहित में मंडल रेल प्रबंधक,भोपाल मंडल, पश्चिम मध्य रेलवे को पत्र लिखकर ट्रेन को पूर्णतः निरस्त न करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा कि राज्यरानी एक्सप्रेस बीना, मंडी बामोरा, गंजबासौदा, विदिशा एवं आसपास के क्षेत्रों से प्रतिदिन भोपाल आने-जाने वाले हजारों दैनिक यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण रेल सेवा है। कर्मचारी,विद्यार्थी, व्यवसायी, मरीज एवं अन्य आवश्यक कार्यों से भोपाल जाने वाले यात्री इस ट्रेन पर निर्भर रहते हैं। ट्रेन के पूर्ण निरस्तीकरण से इन यात्रियों के सामने विशेषकर प्रातःकाल भोपाल पहुँचने की गंभीर समस्या उत्पन्न होगी। कमलेश सेन ने मांग की है कि निर्माण कार्य की अवधि में राज्यरानी एक्सप्रेस को पूर्णतः निरस्त करने के बजाय,परिचालन की परिस्थितियों के अनुसार बीना से भोपाल अथवा कम-से-कम मंडी बामोरा से भोपाल के मध्य प्रातःकालीन सेवा के रूप में संचालित किया जाए। सेन ने बताया कि यह विषय किसी व्यक्ति विशेष की निजी समस्या या मांग नहीं है, बल्कि बीना, मंडी बामोरा, गंजबासौदा, विदिशा एवं आसपास के क्षेत्रों के दैनिक रेल यात्रियों की सुविधा और व्यापक जनहित से जुड़ा विषय है। राज्यरानी एक्सप्रेस के संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है।

मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट में वन्यजीव, समुदाय और सतत पर्यटन पर हुआ पैनल डिस्कशन

पर्यटकों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना आवश्यक: केंद्रीय सचिव कुमार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को वैश्विक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट-2026 के दूसरे दिन कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में 'भारत के वन्य क्षेत्रों का जीवंत परिदृश्य : मध्यप्रदेश में वन्यजीव, समुदाय और सतत पर्यटन' विषय पर पैनल चर्चा हुई। सत्र में केंद्रीय सचिव पर्यटन श्री भुवनेश कुमार ने अपने विचार रखें। पैनल में सीईओ मध्यप्रदेश ईको-टूरिज्म विकास बोर्ड श्री एल. कृष्णमूर्ति, सचिव पर्यटन एवं प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैयाराजा टी., महाप्रबंधक, सीजीएच अर्थ एक्सपीरियंस होटल्स श्री डेविड राजू, निदेशक, एंड बियॉन्ड एशिया श्री टोबी सिंक्लेयर, संस्थापक एवं सीईओ, ग्राम स्टे श्री पारीक्षित सिंह और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर श्री शिवांग मेहता शामिल रहे। सत्र का संचालन वैक्सपोल होटल्स एंड रिसॉर्ट्स की संस्थापक एवं निदेशक तथा एटोआई वुमन्स कलेक्टिव की चेयरपर्सन सुश्री आकांक्षा गर्ग ने किया। वन्यजीव पर्यटन में स्थानीय समुदाय के साथ जुड़ाव जरूरी- केंद्रीय सचिव श्री कुमार केंद्रीय सचिव श्री कुमार ने कहा कि वन्यजीव पर्यटन में स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ाव बेहद महत्वपूर्ण है। 'स्थानीय समुदाय के साथ चलें और उनसे जुड़ें' की भावना के साथ ही सतत पर्यटन का उद्देश्य पूरा हो सकता है। मध्यप्रदेश में वन प्रबंधन और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है, और कूनो में हुआ चीता संरक्षण इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। वन्यजीव पर्यटन को केवल वन्यजीव देखने तक सीमित न रखकर विविध प्राकृतिक अनुभवों से जोड़ने की आवश्यकता है। चंबल में डॉल्फिन, गांधीसागर क्षेत्र की जैव विविधता, गिद्ध संरक्षण तथा गिद्धों के प्रजनन स्थलों के आसपास पूर्णिमा की रात नौका विहार जैसे अनूठे अनुभव मध्यप्रदेश के वन्यजीव पर्यटन को नया आयाम दे सकते हैं। केंद्रीय सचिव श्री कुमार ने कहा कि पर्यटन की सफलता केवल पर्यटकों की संख्या से तय नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि पर्यटन से स्थानीय समुदाय और प्रकृति को कितना लाभ मिल रहा है। पर्यटकों को संवेदनशील और जिम्मेदार बनाने के लिए उन्हें पर्यटन और पर्यावरण के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। साथ ही स्थानीय समुदायों को पर्यटकों के साथ बेहतर संवाद और आतिथ्य के लिए प्रशिक्षित किया जाए, ताकि पर्यटन से होने वाला आर्थिक लाभ स्थानीय स्तर तक पहुंच सके। पर्यटकों की सुरक्षा के साथ गाइड एवं वाहन चालकों के प्रशिक्षण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी है महत्वपूर्ण- श्री एल. कृष्णमूर्ति मध्यप्रदेश ईको-टूरिज्म विकास बोर्ड के सीईओ श्री एल. कृष्णमूर्ति ने कहा कि आने वाले समय में पर्यटन तकनीक और बेहतर संवाद के साथ आगे बढ़ेगा। वन्यजीव पर्यटन केवल भ्रमण तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यटक विशिष्ट और यादगार अनुभव के लिए आते हैं। मध्यप्रदेश में कान्हा के साथ रातापानी, सतपुड़ा, संजय और वीरांगना दुर्गावती बाघ अभयारण्य जैसे क्षेत्रों को भी वन्यजीव पर्यटन के लिए विकसित किया जा रहा है। उन्होंने पर्यटकों की सुरक्षा के साथ गाइड एवं वाहन चालकों के प्रशिक्षण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी को पर्यटन विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। मध्यप्रदेश का लक्ष्य 'सतत एवं संरक्षण आधारित पर्यटन मॉडल' विकसित करना- प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी. सचिव पर्यटन एवं मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी. ने कहा कि मध्यप्रदेश ने वन एवं वन्यजीव प्रबंधन के क्षेत्र में प्रभावी कार्य किया है। हाल ही में भारत में जन्मी चीता ने पांच शावकों को जन्म दिया है, जो देश में चीता संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। चीतों को मध्यप्रदेश के पर्यावरण में ढलने में समय लगा, लेकिन अब संरक्षण के प्रयास सफल होते दिख रहे हैं। इन संरक्षण प्रयासों को पर्यटन के नए और जिम्मेदार अनुभवों से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रातापानी को नए बाघ अभयारण्य के रूप में विकसित किया जाना प्रदेश में वन्यजीव पर्यटन के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।



स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088